संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 274
पृष्ठ 8
गुरूवार
26 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

# शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– गर्मियों में अंडा खाना चाहिए या नहीं?...

विचार– बड़ा खतरा, 16 अरब डेटा लीक

खेल– भारत की हार की 5 बड़ी वजह

## दुग्ध क्षेत्र हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मेरूदंड : योगी

### किसानों की आय बढ़ाने और पशुपालन को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के दुग्ध क्षेत्र को आत्मनिर्भर, तकनीकी रूप से सशक्त और किसानों के लिए लाभकारी बनाने की दिशा में बुधवार का दिन बेहद महत्वपूर्ण रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन पीसीडीएफ द्वारा संचालित तीन डेयरी प्लांट कानपुर, गोरखपुर और कन्नौज तथा अम्बेडकरनगर स्थित एक पशुआहार निर्माणशाला के संचालन हेतु राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड एनडीडीबी के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन का आदान–प्रदान संपन्न हुआ। एनडीडीबी को संचालन सौंपे जाने से इन इकाइयों में तकनीकी दक्षता, पारदर्शिता, व्यावसायिकता के नए मानक स्थापित होंगे। प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों को समयबद्ध भुगतान, बेहतर मूल्य और स्थायी विपणन की सुविधा प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने, पशुधन आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने और उपभोक्ताओं को गुणवत्ता युक्त उत्पाद उपलब्ध कराने हेतु पूरी प्रतिबद्धता के

साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि एनडीडीबी जैसे दक्ष एवं अनुभवी संस्थान को संचालन सौंपे जाने से इन इकाइयों में तकनीकी कुशलता, व्यावसायिक पारदर्शिता और किसानों को प्रत्यक्ष लाभ सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की पशुधन संपदा और दुग्ध उत्पादन की विशाल क्षमता को यदि नियोजित और वैज्ञानिक तरीके से विकसित किया जाए, तो उत्तर प्रदेश न केवल देश का अग्रणी दुग्ध उत्पादक राज्य बन सकता है, बल्कि वैश्विक डेयरी मानचित्र पर भी अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकता है। एनडीडीबी के साथ यह एमओयू उसी दिशा में एक ठोस, दूरदर्शी और व्यवहारिक कदम है। दुग्ध विकास के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में महिला सशक्तिकरण को नया आयाम मिला है। झांसी की बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी सहित आगरा व गोरखपुर आदि जनपदों में दुग्ध विकास में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने इसमें सहयोग के लिए एनडीडीबी की भूमिका की सराहना भी की। उन्होंने यह भी कहा कि कृषि और पशुपालन सेक्टर की अपार संभावनाओं के बावजूद, पूर्ववर्ती सरकारों की उदासीनता और नीति विहीनता के कारण यह क्षेत्र उपेक्षित रहा, जिससे पशुपालकों के भीतर निराशा घर कर गई थी और प्रदेश का बहुमूल्य पशुधन भी धीरे–धीरे कम होता गया। पूर्व की सरकारों में न इच्छाशक्ति थी, न ही दूरदृष्टि। किंतु वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में क्रांतिकारी नवाचार हुए, जिनके परिणामस्वरूप यह क्षेत्र आज युवाओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन रहा है और रोजगार के नये अवसर सृजित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पीसीडीएफ को एनडीडीबी की 'बेस्ट प्रैक्टिसेज' को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह साझेदारी दुग्ध क्षेत्र को नई दिशा देने में सहायक सिद्ध होगी।विशेष अवसर पर उपस्थित, एनडीडीबी के चेयरमैन मीनेश शाह ने नोएडा में संपन्न वर्ल्ड डेयरी समिट, 2022 के आयोजन में मुख्यमंत्री की ओर से प्राप्त सहयोग के प्रति आभार जताया और उत्तर प्रदेश में एनडीडीबी द्वारा संचालित विभिन्न दुग्ध विकास परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि उत्तर प्रदेश के जिन तीन डेयरी प्लांट और एक पशु आहार निर्माणशाला के संचालन की जिम्मेदारी एनडीडीबी को सौंपी गई है, वे आने वाले वर्षों में प्रदेश के सबसे लाभकारी और मॉडल इकाइयों के रूप में स्थापित होंगे।प्रमुख सचिव दुग्ध विकास विभाग ने बताया कि कानपुर स्थित डेयरी प्लांट 160.84 करोड़ की लागत से विकसित किया गया है, जिसकी प्रसंस्करण क्षमता 4 लाख लीटर प्रतिदिन है। इसी प्रकार, गोरखपुर डेयरी प्लांट 61.80 करोड़ की लागत से तैयार हुआ है, जो प्रतिदिन 1 लाख लीटर दूध प्रसंस्करण की क्षमता रखता है। कन्नौज प्लांट 88.05 करोड़ की लागत से स्थापित हुआ है, जिसकी क्षमता भी 1 लाख लीटर प्रतिदिन है। इन तीनों प्लांटों का निर्माण पूर्ण होने के बावजूद वाणिज्यिक बायर्स के अभाव तथा परिचालन लागत की चुनौतियों के कारण पूर्व में संचालन में बड़ी बाधाएं उत्पन्न हुई थीं। अब इनका संचालन एनडीडीबी के माध्यम से किए जाने से यह इकाइयाँ पुनः पूर्ण क्षमता से कार्य करने लगेंगी। अम्बेडकर नगर स्थित केंद्र पशु आहार निर्माणशाला भी इस समझौते के अंतर्गत एनडीडीबी को हस्तांतरित की जाएगी। 18.44 करोड़ की लागत से निर्मित यह इकाई 100 मीट्रिक टन प्रतिदिन बायपैक प्रोटीन फीड का उत्पादन कर रही है, जिससे प्रदेश के पशुपालकों को संतुलित एवं सुलभ आहार उपलब्ध हो रहा है।

## आपातकाल में कांग्रेस ने लोकतंत्र को किया कैद, प्रेस की आजादी छीनी : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर इसे देश के लोकतांत्रिक इतिहास का 'सबसे काला अध्याय' और 'संविधान हत्या दिवस' बताया और आपातकाल के खिलाफ लड़ने वालों को सलाम किया। श्री मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, "आज भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक, आपातकाल लागू होने के 50 साल पूरे हो गए हैं। भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं। इस दिन, भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया, मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया, प्रेस की आजादी को खत्म कर दिया गया और कई राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और आम नागरिकों को जेल में डाल दिया गया। ऐसा लग रहा था जैसे उस समय सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को बंधक बना लिया था।" प्रधानमंत्री ने कहा कि 'द इमरजेंसी डायरीज' में

आपातकाल के वर्षों के दौरान मेरी यात्रा का वर्णन है। इसने उस समय की कई यादें ताज़ा कर दीं। श्री मोदी ने कहा, "मैं उन सभी लोगों से अपील करता हूँ जो आपातकाल के उन काले दिनों को याद करते हैं या जिनके परिवारों ने उस दौरान कष्ट झेले हैं, वे अपने अनुभवों को सोशल मीडिया पर साझा करें। इससे युवाओं में 1975 से 1977 तक के शर्मनाक समय के बारे में जागरूकता पैदा होगी।" उन्होंने आपातकाल के खिलाफ लड़ने वालों को सलाम किया, जिनकी सामूहिक लड़ाई ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करने और चुनाव कराने पर मजबूर किया। उन्होंने कहा कि 42वें संशोधन में संविधान में व्यापक परिवर्तन किए गए जो आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस सरकार की चालों का एक ज्वलंत उदाहरण है, जिसे जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने बाद में पलट दिया था। गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और दलितों को विशेष रूप से निशाना बनाया गया और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाई गई। श्री मोदी ने कहा कि हम अपने संविधान में निहित सिद्धांतों को मजबूत करने और विकसित देश के अपने दृष्टिकोण को साकार करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। हम प्रगति की नई ऊंचाइयों को छूएं और गरीबों तथा दलितों के सपनों को साकार करें। यही हमारी प्रतिबद्धता है।

## पालघर के स्कूल को दी गयी बम से उड़ाने की धमकी! प्रशासन से तुरंत पूरा स्कूल खाली कराया

पालघर, एजेंसी। महाराष्ट्र के पालघर जिले के एक निजी स्कूल को बुधवार सुबह ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, जिसके बाद छात्रों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को स्कूल परिसर से बाहर निकाला गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। मीरा–भायंदर वसई–विरार (एमबीवीवी) पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बम की धमकी अफवाह निकली क्योंकि नालासोपारा

स्थित स्कूल के परिसर में जांच के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। नालासोपारा मुंबई का एक सुदूरवर्ती उपनगर है। उन्होंने बताया कि निजी स्कूल को एक ईमेल मिला था जिसमें बताया गया था कि स्कूल परिसर में बम रखा है। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और छात्रों, शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों को बाहर निकाला। अधिकारी के अनुसार, बम निरोधक एवं निपटान दस्ते (बीडीडीएस) के कर्मियों ने स्कूल परिसर की गहन तलाशी ली, लेकिन उन्हें कोई विस्फोटक उपकरण नहीं मिला जिसके बाद उन्होंने इस धमकी को अफवाह घोषित कर दिया। इससे एक महीने पहले महाराष्ट्र के पालघर में कलेक्टर कार्यालय को मंगलवार तड़के बम की धमकी वाला ईमेल मिला, जिसके बाद पुलिस को परिसर खाली कराना पड़ा।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने देर रात बताया कि यह धमकी झूठी निकली। उन्होंने बताया कि कलेक्टर कार्यालय के आधिकारिक आईडी पर सुबह करीब 6.23 बजे एक ईमेल भेजा गया, जिसमें कहा गया था कि परिसर में आरडीएक्स रखा गया है और यह दोपहर 3.30 बजे फट जाएगा।

## सीबीएसई ने लिया बड़ा फैसला, 2026 से साल में 2 बार होंगी 10वीं बोर्ड परीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीएसई कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में 2026 से बड़ा बदलाव होने जा रहा है, जिसके तहत छात्र एक ही शैक्षणिक वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा दे सकेंगे। इस कदम का उद्देश्य ष्उच्च दांवष पहलू को कम करना, परीक्षा के दबाव को कम करना और छात्रों को पूरे साल इंतजार किए बिना अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का मौका देना है। नई योजना के तहत, प्रत्येक छात्र को फरवरी के मध्य में होने वाली पहली परीक्षा में शामिल होना होगा, जबकि अपने अंकों में सुधार करने या तीन विषयों में कम अंक पाने वाले छात्र मई में होने वाली दूसरी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। फरवरी में होने वाले पहले चरण की परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य होगा अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मई में होने वाला दूसरा चरण उन छात्रों के लिए वैकल्पिक होगा जो अपना प्रदर्शन सुधारना चाहते हैं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं कक्षा के लिए वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दे दी है, जिसकी नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में अनुशंसा की गई है। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा, ''पहला चरण फरवरी में और दूसरा मई में आयोजित किया जाएगा। दोनों चरणों के परिणाम क्रमशः अप्रैल और जून में घोषित किए जाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''छात्रों के लिए पहले चरण में शामिल होना अनिवार्य होगा, जबकि दूसरा चरण वैकल्पिक होगा।

## चुनाव आयोग भाजपा की कठपुतली बनकर काम कर रहा है : खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि चुनाव आयोग विपक्ष की बात नहीं सुनता है और चुनाव को लेकर उससे जो सवाल पूछे जाते हैं उनका जवाब नहीं दिया जाता। चुनाव आयोग सिर्फ सरकार के इशारे पर उसकी कठपुतली बनकर काम कर रहा है। श्री खरगे ने बुधवार को यहां कांग्रेस के नये मुख्यालय इंदिरा भवन में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली की बात आंकड़ों के साथ कह रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग मानने को तैयार नहीं है। चुनाव आयोग भाजपा की कठपुतली बन गया है और उसके इशारे पर काम करता है। उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के दौरान हमने सीटें जीतीं, लेकिन पांच महीने बाद ही विधानसभा चुनावों में आंकड़े बदल गए। पांच साल में जब वोटर लिस्ट बदलती है तो दो–तीन प्रतिशत की वृद्धि होती है, लेकिन यहां पांच महीने

में ही आठ प्रतिशत का उछाल देखा गया। मैंने कई चुनाव लड़े और लोगों को लड़वाए, पर ऐसा मैंने कभी नहीं देखा। हम लगातार इस मामले को उठा रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग कोई भी बात सुनने को तैयार नहीं है, क्योंकि सब जगह सरकार का नियंत्रण है। हर जगह आरएसएस के लोगों को बैठा रखा है और वहां दूसरों के लिए कोई जगह नहीं है।" यह पूछने पर कि आयोग कांग्रेस नेतृत्व से बातचीत करने की बात करता है तो उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग से बहस करने की जरूरत नहीं है। सभी को मालूम है कि चुनाव में गड़बड़ी हुई है। आयोग को कई बार कहा गया है कि वैलेट पेपर दीजिए क्या उसने दिया। जो शिकायतें चुनाव आयोग से की जाती हैं क्या उनका आयोग ने कोई समाधान निकाला है। मन्नत मांगने का कोई मतलब नहीं है जब श्री मोदी किसी सवाल का जवाब देने आते ही नहीं है। उनका कहना था कि आयोग सरकार के इशारे पर काम कर रहा है, लेकिन हम अपनी लड़ाई जारी रखेंगे और लड़ते ही रहेंगे। कांग्रेस नेता शशि थरूर से संबंधित एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री कभी किसी से बात नहीं करते, लेकिन हम देश के लिए लड़ते रहे हैं और आगे भी लड़ते रहेंगे। हमारी चिंता शशि थरूर नहीं देश को बचाने की है। प्रधानमंत्री पहले अपनी बात पत्रकारों के सामने रखते थे और वहां सवाल–जवाब भी होते थे अब श्री मोदी सिर्फ चुनिंदा लोगों को ही इंटरव्यू देते हैं, जहां पहले से ही चुने हुए सवाल और उनके तय जवाब होते हैं। ये श्री मोदी की लोकतंत्र में

## हल्द्वानी में भारी बारिश के बीच कार नहर में गिरने से नवजात समेत चार की मौत

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड के नैनीताल जिले में स्थित हल्द्वानी में भारी बारिश के बीच बुधवार को सात लोगों को ले जा रही एक कार के सड़क से उतरकर उफनती नहर में गिर जाने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक चार दिन का शिशु भी शामिल है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मृतकों में एक चार दिन का शिशु, दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं, जबकि तीन अन्य घायल हो गए हैं और उनका इलाज चल रहा है। तीन घायल लोगों को बचा लिया गया है और उनका अभी इलाज चल रहा है। कार सिंचाई नहर में गिरकर लगभग पलट गई। इस दौरान कार में पानी भर गया। कार में 4 लोग सवार थे। जिसमें एक बच्चे समेत 4 लोगों की मौत हो गई है जबकि 3 लोग घायल हो गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने रेस्क्यू कर कार को नहर से बाहर निकाला। बचाव अभियान तेजी से शुरू किया गया और टीमें नहर पुलिया के नीचे से कार को निकालने में सफल रहीं।

## एससीओ बैठक में आतंकवाद के खात्मे के लिए एकजुटता पर बल देंगे राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि वह चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में वैश्विक शांति और सुरक्षा पर भारत का दृष्टिकोण रखेंगे तथा सदस्य देशों से आतंकवाद को मिलकर खत्म करने का आह्वान करेंगे। श्री सिंह ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक

पोस्ट में कहा कि वह एससीओ की बैठक में शामिल होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, "आज मैं शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए किंगदाओ, चीन के लिए रवाना हो रहा हूँ। मुझे विभिन्न रक्षा मंत्रियों के साथ विभिन्न मुद्दों पर बातचीत करने का अवसर मिलेगा। वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए भारत के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करने और आतंकवाद को खत्म करने के लिए संयुक्त और लगातार प्रयासों का आह्वान करने के लिए उत्सुक हूँ।" उल्लेखनीय है कि चीन की अध्यक्षता में आज से एससीओ की दो दिन की बैठक हो रही है। एससीओ सदस्य देशों की संप्रभुता, राष्ट्रों की क्षेत्रीय अखंडता, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने, आपसी सम्मान, समझ और सभी सदस्य देशों की समानता के सिद्धांतों पर आधारित नीति का पालन करता है। एससीओ का गठन वर्ष 2001 में किया गया था और यह एक अंतर–सरकारी संगठन है। भारत वर्ष 2017 में इसका पूर्ण सदस्य बना था और वर्ष 2023 में क्रमानुसार इसे संगठन की अध्यक्षता सौंपी गई। एससीओ में भारत के अलावा कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस शामिल हैं।

## केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने आपातकाल और एक्सिओम मिशन पर प्रस्ताव पारित किये

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने देश में आपातकाल की घोषणा के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर बुधवार को यहां एक प्रस्ताव में आपातकाल का विरोध करने और इससे लड़ते हुए बलिदान देने वाले लोगों के प्रति सम्मान व्यक्त किया तथा उन्हें श्रद्धांजलि दी। मंत्रिमंडल ने एक्सिओम –4 मिशन के सफल प्रक्षेपण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भी एक प्रस्ताव किया। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में ये दोनों प्रस्ताव पारित किये गये। उन्होंने बताया कि आपातकाल पर लाये गये प्रस्ताव में मंत्रिमंडल के सदस्यों ने इससे लड़ने वाले अनगिनत लोगों के बलिदानों का स्मरण करने का संकल्प लिया और संविधान की हत्या के प्रयास को असफल करने वाले इन योदधाओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया। प्रस्ताव में कहा गया है कि संविधान पर यह प्रहार 1974 में नवनिर्माण आंदोलन और सम्पूर्ण क्रांति अभियान को कुचलने के कठोर प्रयास के साथ शुरू हुआ था। श्री वैष्णव ने कहा कि सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर आपातकाल से लड़ते हुए बलिदान देने वाले साहसी लोगों को श्रदधांजलि भी दी। उन सभी नागरिकों को भी श्रद्धांजलि दी गयी जिनके संवैधानिक तथा लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिए।

## पुणे मेट्रो के विस्तार को मिली कैबिनेट की हरी झंडी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्र सरकार ने महाराष्ट्र के पुणे में मेट्रो रेल नेटवर्क में दूसरे कॉरीडोर के विस्तार की 3626.24 करोड़ रुपये की परियोजना को बुधवार को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आज यहां हुई बैठक में इस परियोजना को मंजूरी दी गई। रेल, सूचना प्रसारण, इलैक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि आज की बैठक में पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरणरू वनाज से चांदनी चौक (कॉरिडोर 2ए) और रामवाड़ी से वाघोली/विट्ठलवाड़ी (कॉरिडोर 2बी) को स्वीकृति दी गई है। उन्होंने कहा कि यह चरण–1 के तहत

मौजूदा वनाज–रामवाड़ी कॉरिडोर का विस्तार है। ये दो एलिवेटेड कॉरिडोर 12.75 किलोमीटर तक फैले होंगे और इनमें 13 स्टेशन शामिल होंगे, जो चांदनी चौक, बावधन, कोथरुड, खराडी और वाघोली जैसे तेजी से विकसित हो रहे उपनगरों को जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को चार साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। श्री वैष्णव ने कहा कि परियोजना की अनुमानित लागत 3626.24 करोड़ रुपये है, जिसे केन्द्र सरकार, महाराष्ट्र सरकार और बाहरी द्विपक्षीय/बहुपक्षीय एजेंसियों द्वारा समान रूप से साझा किया जाएगा। यह रणनीतिक प्रस्ताव मौजूदा कॉरिडोर–2 का युक्तिसंगत विस्तार है और व्यापक आवाजाही योजना (सीएमपी) के साथ तालमेल रखता है, जो पुणे में पूर्व से पश्चिम के बीच आम लोगों की सुविधा के लिए परिवहन प्रणाली को मजबूत करने के लिए चांदनी चौक से वाघोली मेट्रो कॉरिडोर तक एक सतत विकास का लक्ष्य रखता है। उन्होंने कहा कि ये विस्तार प्रमुख आईटी हब, वाणिज्यिक क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों और आवासीय क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करेंगे, जिससे पूरे नेटवर्क में सार्वजनिक परिवहन और सवारियों की भागीदारी बढ़ेगी। नए कॉरिडोर जिला न्यायालय इंटरचेंज स्टेशन को लाइन–1 (निगडी–काटराज) और लाइन–3 (हिंजेवाड़ी–जिला न्यायालय) के साथ एकीकृत करेंगे, ताकि निर्बाध मल्टीमॉडल शहरी यात्रा को सक्षम किया जा सके।

## पति ने पहले की मारपीट, फिर छीना बेटा

प्रयागराज। हाईकोर्ट जा रही एक महिला के साथ उनके पति ने बीच रास्ते में रोककर मारपीट की। यहां तक कि उसका बेटा भी छीनकर अपने साथ लेकर चला गया। उतरांव निवासी बबिता उर्फ संगीता की तहरीर के अनुसार, उसका पति आनंद से विवाद चल रहा है। बीते 29 मई को वह बेटे के साथ हाईकोर्ट जा रही थी। आरोप है कि पति आनंद पीछा करते हुए कचहरी पुलिस चौकी के पास पहुंचा और बेटे को छीनकर गाड़ी में बैठा लिया। विरोध करने पर पिटाई भी की। आसपास के लोगों ने बीचबचाव कर मामला शांत कराया। पीड़िता की तहरीर पर कर्नलगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

## केंद्रीय कारागार से जिला जेल भेजे गए अतीक के गुर्गे

प्रयागराज। केंद्रीय कारागार नैनी में बंद 127 विचाराधीन कैदियों को दो दिन के अंदर जिला जेल भेजा गया है। इन कैदियों में अतीक गैंग के कई गुर्गे भी शामिल हैं। सूत्रों की मानें तो हाल ही में जेल में बंद अतीक के बेटे अली के पास नकदी मिलने के बाद कैदियों के स्थानांतरित करने की कार्रवाई की गई है। केंद्रीय कारागार नैनी के हाई सिक्योरिटी बैरक में बंद अली के पास 17 जून को 1100 रुपये नकदी व प्रतिबंधित सामान मिले थे। इसके बाद डिप्टी जेलर व हेड वॉर्डर को निलंबित कर दिया गया था। डीआईजी जेल राजेश श्रीवास्तव के नेतृत्व वाली तीन सदस्यीय टीम इस प्रकरण की जांच कर रही है। अली के बैरक में कैश मिलने के बाद से खलबली मची है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक रंगबहादुर पटेल ने बताया कि केंद्रीय कारागार से मंगलवार को 61 विचाराधीन बंदियों को जिला जेल स्थानांतरित किया गया है। इसके पहले रविवार को 66 बंदियों को जिला कारागार भेजा गया था। उधर, जिला जेल अधीक्षक अमिता दुबे ने बताया कि केंद्रीय कारागार से स्थानांतरित 127 विचाराधीन बंदियों को पहले 10 दिनों तक क्वारंटाइन किया गया है। इसके बाद उन्हें निर्धारित बैरकों में शिफ्ट किया जाएगा।

## एडीजी का फरमान: महिला फरियादी मुख्यालय पहुंची तो गिरेगी गाज

प्रयागराज। महिला फरियादी मुख्यालय तक शिकायत लेकर पहुंची तो संबंधित थाना व सर्किल के पुलिस अधिकारियों पर गाज गिरेगी। यह फरमान एडीजी जोन डॉ. संजीव गुप्ता ने जारी किया है। उन्होंने महिलाओं की शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने का निर्देश दिया है। साथ ही शिकायतों के प्रति लापरवाही बरतने वालों पर सख्ती बरतने की भी हिदायत दी है। एडीजी ने अप्रैल के अंतिम सप्ताह कार्यभार संभालने के साथ ही लॉ एंड ऑर्डर को दुरुस्त करने की पहल शुरू कर दी है। हाल ही में उन्होंने जोन के क्षेत्र में आने वाले जिले के पुलिस अधिकारियों को जनसुनवाई के प्रति लापरवाही बरतने पर फटकार लगाई थी। अब महिलाओं की शिकायत को लेकर कई पुलिस अधिकारियों पर गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाए जाने की शिकायतें मिल रही हैं। इन शिकायतों को लेकर एडीजी ने सख्त रवैया अपनाया है। सूत्रों की मानें तो अब तक 10 पुलिस अधिकारियों को फटकार लगा चुके हैं। उन्होंने शासन की मंशा के अनुरूप महिलाओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित निस्तारण करने की हिदायत दी है। साथ ही लापरवाही बरतने की शिकायत मिलने पर विभागीय कार्रवाई का संकेत दिया है। एडीजी कार्यालय से प्रतापगढ़, कौशाम्बी, फतेहपुर, चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर व महोबा से महिलाओं के शिकायतों के निस्तारण की रिपोर्ट भी मांगी गई है। बीते कुछ दिनों में एडीजी कार्यालय तक संबंधित जिले की महिलाएं शिकायत लेकर पहुंच रही हैं। कुछ महिलाओं ने जिलास्तर पर कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का निस्तारण नहीं होने की शिकायत की है। महिलाओं की शिकायतों को एडीजी ने गंभीरता से लिया है।

## एसआरएन अस्पताल में बिजली गुल, मरीज परेशान

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में बिजली कटौती की समस्या मरीजों और तीमारदारों के लिए परेशानी बन रही है। मंगलवार को नई बिल्डिंग ने बिजली गुल हो जाने से ओपीडी में आए मरीज अंधेरे में इलाज कराने को विवश रहे। ओपीडी में डॉक्टर मोबाइल का फ्लैश जलाकर मरीजों को देखते रहे। बिजली जाने पर जेटरेटर ऑटो सिस्टम न होने से 15 मिनट तक अंधेरा छाया रहा। 12 मई को आंधी–पानी आने से अस्पताल में बिजली के दो खंभे गिर गए थे। उसके बाद से बिजली कटौती की समस्या बढ़ गई है।

## जेल में बिना इलाज इविवि के शिक्षक की हो गई थी मौत

प्रयागराज। आपातकाल का दंश झेल चुके लोग आज भी वो मंजर याद कर कांप जाते हैं। छोटी–छोटी बातों पर राजनीतिक गिरफ्तारियां इतनी हुईं कि नैनी स्थित केंद्रीय कारागार में एक समय में एक हजार से अधिक नेता बंद थे। स्थिति यह थी कि जेल में बीमार पड़ने पर बाहर उपचार का प्रबंध तक नहीं था। यही कारण था कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. सत्यव्रत सिन्हा की जेल में बिना इलाज मौत हो गई थी। लोकतंत्र रक्षक सेनानी केके श्रीवास्तव उन दिनों को याद करते हुए बताते हैं कि 25 जून की मध्यरात्रि आपातकाल लागू हुआ और इसी के साथ नया कटरा से जनेश्वर मिश्र, जार्जटाउन से डॉ.मुरली मनोहर जोशी, कर्नलगंज से उन्हें और बेली रोड से बाबा राम आधार यादव को गिरफ्तार कर लिया गया।

बकौल केके श्रीवास्तव एक रात में 100 गिरफ्तारी का शायद यह रिकॉर्ड ही रहा होगा। 26 जून को सुबह जेल में सभी की आमद हुई। पूर्व मुख्यमंत्री राम नरेश यादव भी आजमगढ़ में गिरफ्तार कर केंद्रीय कारागार नैनी भेजे गए। वहीं, मिर्जापुर से वर्तमान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को गिरफ्तार कर यहां लाया गया था। सपा नेता केके श्रीवास्तव बताते हैं कि मिर्जापुर और आजमगढ़ की जेलें छोटी थीं इसलिए रामनरेश यादव और राजनाथ सिंह को नैनी केंद्रीय कारागार भेजा गया, जो उस वक्त प्रदेश की सबसे बड़ी जेल थी। जेल में समाचार पत्र नहीं आते थे। अधीक्षक के यहां एक हॉर्न लगाया गया था, जो बजता था तो सभी राजनीतिक बंदी सुबह नौ बजे और रात नौ बजे उसी हॉर्न के नीचे खड़े होकर समाचार सुना करते थे।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ.रघुवंश जोशी, जो दोनों हाथ से दिव्यांग थे, उन्हें भी जेल भेजा गया, आरोप था कि वो बिजली के पोल पर खड़े होकर तार काट रहे थे जबकि वो पांव के अंगूठे में कलम फंसा कर लिखते थे। वहीं, प्रो. बनवारी लाल शर्मा, डॉ. कृष्ण बहादुर जैसे दर्जन भर शिक्षकों को जेल में बंद किया गया था। डॉ. जोशी थे भोजन प्रभारी, राजनाथ देखते थे स्पोर्ट्स जेल में डॉ. मुरली मनोहर जोशी भोजन के प्रभारी थे, जबकि वर्तमान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह खेल के प्रभारी हुआ करते थे। केके श्रीवास्तव बताते हैं कि राजनाथ सिंह वॉलीबाल खेला करते थे, जबकि डॉ. जोशी कभी शतरंज तो कभी ताश खेलते थे।

# लव मैरिज करने वाली युवती को अपनी पसंद की जगह रहने का हक: हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक केस की सुनवाई करते हुए कहा है कि लव मैरिज करनेवाली युवती को अपनी पसंद की जगह रहने का अधिकार है। वह जहां चाहे वहां रहने के लिए स्वतंत्र है। साथ ही कोर्ट ने चंदौली की मनोरमा और एक अन्य की ओर से दायर बंदी प्रत्यीक्षकरण याचिका खारिज कर दी है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक केस की सुनवाई करते हुए कहा है कि लव मैरिज करने वाली युवती को अपनी पसंद की जगह रहने का अधिकार है। साथ ही कोर्ट ने चंदौली की मनोरमा और एक अन्य की ओर से दायर बंदी प्रत्यीक्षकरण याचिका खारिज कर दी है। दरअसल याचिका में मनोरमा की 20 साल की बेटी को पेश करने और उसे याची को हिरासत में सौंपने का अनुरोध किया गया था।

याची के वकील ने तर्क दिया कि प्रतिवादी कृष्णा उर्फ पप्पू बिजली वायरिंग का काम करता है और याची के घर आता–जाता था। उन्होंने आरोप लगाया कि कृष्णा, याची की बेटी को परेशान करता था और

1 मई, 2025 को उसे बहला–फुसलाकर भगा ले गया हालांकि, अपर शासकीय अधिवक्ता ने न्यायालय को बताया कि जांच में पता चला है कि याची की बेटी और कृष्णा बालिग हैं। उन्होंने अपनी मर्जी से प्रेम विवाह कर लिया है। दोनों ने अपनी शादी की तस्वीरें, मैरिज रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट उपलब्ध कराए हैं। दस्तावेजों के अवलोकन से यह स्थापित हुआ है कि दोनों बालिग हैं और विवाह के बाद अपना वैवाहिक जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

अदालत ने कहा कि चूंकि कथित युवती ने अपनी इच्छा से प्रतिवादी कृष्णा के साथ शादी कर लिया है और वह खुशीपूर्वक उसके साथ रह रही है। वह बालिग हैं, इसलिए वह जहां और जिसके साथ रहना चाहे वहां रहने के लिए स्वतंत्र है। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि कोई भी व्यक्ति उनके शांतिपूर्वक जीवन में बाधा उत्पन्न नहीं करेगा।

हाईकोर्ट ने ने मुजफ्फरनगर डीएम व एसएसपी को किया तलब

उधर, उच्च न्यायालय ने यूपी में गैंगस्टर कानून के दुरुपयोग को गंभीरता से लेते हुए मुजफ्फरनगर के जिलाधिकारी (डीएम), वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) और थाना प्रभारी को अदालत में उपस्थित होकर अपने 'दुराचरण और लापरवाही' पर स्पष्टीकरण देने को कहा है।

न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने एक व्यक्ति को कथित तौर पर जेल के भीतर रखने के लिए उसके खिलाफ बार–बार और मनमाने ढंग से गैंगस्टर कानून लागू करने को गंभीरता से लेते हुए ये निर्देश दिया

# हाईकोर्ट बार चुनाव में 9199 वोटर करेंगे मतदान

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की 28 सदस्यीय कार्यकारिणी के चुनाव के लिए अंतिम मतदाता सूची जारी करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। अनंतिम मतदाता सूची पर मिली आपत्तियों के साथ पूरी सूची की समीक्षा करने के बाद 9199 मतदाता वैध पाए गए। यह जानकारी मंगलवार शाम चुनाव अधिकारियों की टीम ने साझा करते हुए बताया कि जारी 6738 वोटरों वाली अनंतिम मतदाता सूची पर कुल 3052 आपत्तियां आईं, जिनमें 1059 आपत्तियां दोषपूर्ण पाई गईं।

मुख्य चुनाव अधिकारी वरिष्ठ अधिवक्ता आरके ओझा ने बताया कि आपत्ति दाखिल करने वाले 78 सदस्यों का शुल्क बकाया है। 31 मार्च 2022 को पंजीकृत होने के कारण 128 सदस्यों की मताधिकार प्राप्त करने की तीन साल की अवधि पूरी नहीं हुई है।

देय जमा करने की अंतिम तिथि 13 जून के बाद 29 सदस्यों ने शुल्क जमा किया। 33 सदस्यों ने घोषणा पत्र नहीं जमा किया। 791 सदस्यों के पास निर्धारित संख्या में केस नहीं पाए गए। इस कारण इन्हें मतदाता सूची में शामिल नहीं किया गया है। इसके अलावा वन बार–वन वोट के सिद्धांत

पर 211 वकीलों को अन्य एसोसिएशन के सदस्य/वोटर होने के कारण मतदान के लिए अयोग्य करार दिया गया है। चुनाव अधिकारी अनिल भूषण, वशिष्ठ तिवारी व महेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि 3052 आपत्तियों में 2672 आपत्तियां सही पाई गईं और उन्हें मतदाता सूची में शामिल किया गया है। आरके ओझा ने बताया कि इसके अलावा मतदाता सूची की फिर नए सिरे से समीक्षा करने पर कुछ योग्य सदस्यों को बिना आपत्ति के मतदान के लिए अर्ह करार देते हुए सूची में शामिल किया गया है। निर्वाचन समिति के अनुसार कुल 9199 मतदाताओं में 6806 पुरुष व 394 महिला सदस्य हैं। इनमें 73 वरिष्ठ अधिवक्ता,1050 पुरुष राज्य विधि अधिकारी, 67 महिला राज्य विधि अधिकारी और 30 वर्ष की वकालत पूरी कर चुके 783 पुरुष व 26 महिला सदस्य भी शामिल हैं।

घोषित कार्यक्रम के अनुसार 25 जून को अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी जाएगी। आचार संहिता का कड़ाई से करें पालन चुनाव समिति ने संभावित प्रत्याशियों से चुनाव आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने का आग्रह किया है और कहा है कि होर्डिंग हटाए जाने के बाद दोबारा होर्डिंग लगाने वाले दो वकीलों को नोटिस जारी किया जा रहा है। उनसे होर्डिंग हटाए लेने को कहा जाएगा। नियम का पालन न करने पर उन्हें नामांकन पत्र जारी करने से इनकार कर दिया जाएगा। आचार संहिता के अनुसार नगर निगम क्षेत्र में कोई भी प्रत्याशी या समर्थक सार्वजनिक स्थल पर दावत या सभा नहीं करेगा। प्रचार सामग्री का प्रदर्शन या वितरण नहीं करेगा। किसी बहाने से सार्वजनिक स्थानों पर दावत का आयोजन नहीं करेगा।

# बाबा बर्फानी के दर्शन को अबकी जाएंगे तीन हजार श्रद्धालु

प्रयागराज। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए तीन जुलाई से अमरनाथ यात्रा शुरू होने जा रही है। बाबा के दरबार में माथा टेकने इस बार प्रयागराज से रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु जाएंगे। भक्तों की संख्या में उम्मीद से ज्यादा इजाफा होने पर अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने एक हजार अतिरिक्त सीटें प्रयागराज को उपलब्ध कराई हैं। यही वजह है कि जून के अंतिम सप्ताह में रजिस्ट्रेशन परमिट जारी होने तक श्रद्धालुओं की संख्या तीन हजार तक पहुंचने की संभावना है।

पंजाब नेशनल बैंक, मानसरोवर शाखा में पंद्रह अप्रैल से श्रद्धालुओं को रजिस्ट्रेशन परमिट दिया जा रहा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पांच मई तक बैंक से परमिट दिए जाने का आंकड़ा प्रतिदिन दहाई भी नहीं पहुंच सका था।

दस मई के बाद से अब तक यात्रा के लिए करीब 1900 लोगों को परमिट जारी किया जा चुका है, जबकि बैंक कई वर्षों से दो हजार श्रद्धालुओं को परमिट देता था। अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा पिछले वर्ष 900 था, जोकि प्रयागराज से यात्रा के लिए गए थे। वर्ष 2023 में श्रद्धालुओं का आंकड़ा करीब 800 था। ऐसा पहली बार हुआ है कि प्रयागराज से इतनी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए जाने वाले हैं। परमिट काउंटर के लक्ष्मीकांत मिश्रा ने बताया कि 20 जून को परमिट लॉगिन खोलने के बाद प्रयागराज के खाते में पहलगाम और बालटाल के लिए एक हजार सीटें बढ़ी हुई दिखाई दे रही थीं। ऐसा यहां से श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की वजह श्राइन बोर्ड ने किया होगा।

पांच अगस्त तक यात्रा जारी रहेगी। इसके लिए तीस जून तक परमिट प्रक्रिया ऑटोमेटिक तरीके से बंद हो जाएगी।

# गोल्ड के लिए प्रतीक्षा ने हॉस्टल में गुजारी गर्मी की छुट्टियां

प्रयागराज। प्रयागराज के मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय जूनियर (अंडर–20) एथलेटिक्स चौंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीतकर लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम गर्ल्स हॉस्टल की छात्रा प्रतीक्षा यादव ने दो स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। प्रतीक्षा ने पहली बार राष्ट्रीय एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीता, लेकिन इस सफलता को पाने की राह आसान नहीं थी। प्रतीक्षा ने इसके लिए पूरी ताकत झोंक दी। . पिछले साल भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स में प्रतीक्षा हताश हो गई थी। मेडल नहीं जीत पाने से हताश खेल ही छोड़ना चाहती थी। ऐसे में प्रतीक्षा का साथ दिया हॉस्टल के एथलेटिक्स प्रशिक्षक राजेश गौड़ ने। प्रशिक्षक ने हौशला बढ़ाया तो प्रतीक्षा ने भी ठान लिया कि अब चमत्कार ही करना है। राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स में पदक जीतने के लिए प्रतीक्षा ने अभ्यास शुरू किया। प्रतिदिन छह–छह घंटे की अभ्यास करने लगी। दूसरा पदक जीतने के बाद प्रतीक्षा ने बताया कि कठिन अभ्यास कर रही थी गर्मी की छुट्टी हो गई। छुट्टी में घर जाने की बजाए हॉस्टल में ही रहकर अभ्यास जारी रखने का निर्णय लिया। एक महीने के कठोर अभ्यास ने आखिरकर एक नहीं, दोहरी खुशी दी। ललितपुर के कलोनी टपरियान उदयपुरा की रहने वाली प्रतीक्षा के लिए मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में दो गोल्ड जीतना एक अलग तरह का यादगार बन गया। प्रतीक्षा ने हॉस्टल में दाखिले के लिए मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में ही ट्रायल दिया था। प्रतीक्षा के माता–पिता के अलावा तीन बहन और एक भाई है।

## उस वक्त जेल में उठवाया गया था मैला

प्रयागराज। स्वदेशी कॉटन मिल उस वक्त चालू थी। वहां पर राम मिलन यादव मजदूर नेता थे। कर्मचारी शिवधारी यादव को मिल से निकाल दिया गया। राम मिलन यादव बताते हैं कि नया खून तो था ही पर उन्हें आपातकाल के बारे में जानकारी नहीं थी। सुबह 10 बजे साथियों के साथ बैठक कर दोपहर 12 बजे हड़ताल कर दी। दो बजे शिफ्ट बदली तो आने वाले कर्मचारियों को हड़ताल के बारे में जानकारी देकर उनसे सहयोग का आग्रह किया। ऐसे ही रात 10 बजे शिफ्ट बदलने पर किया गया। 20–25 कर्मचारी साथ रह कर प्रचार कर रहे थे। रात को तत्कालीन एसडीएम करछना जेएन विश्वकर्मा, दारोगा राम आधार और चौकी प्रभारी सदानंद राय ने कॉटन मिल से और बाहर से कुछ लोगों को गिरफ्तार कर जमकर पीटा। इसके बाद थाने ले गए और पूरी रात पीटते रहे। सुबह सभी का चालान कर जेल भेज दिया गया। हम लोगों को बी श्रेणी कैदियों की बैरक में रखना था, लेकिन ऐसा न करके मजदूरों के साथ बंद किया गया। सुबह झाड़ू लगाना, बोझा उठवाने का काम शुरू कर दिया गया। उस वक्त जेल में उठवा शौचालय था। जो कैदी चोरी और बिना टिकट यात्रा के आरोप में पकड़े जाते थे, उनसे वह मैला उठवाया जाता और उसे खाद बनाने के लिए बाहर फेंकवाया जाता था। जब ये कैदी छूट जाते तो यह काम भी हम लोगों से करवाया गया। बाद में एक दिन जब नेता केके श्रीवास्तव मिले तो उसने इसके बारे में बताया गया। इसके बाद उन्होंने जनेश्वर मिश्र आदि बड़े नेताओं तक यह बात पहुंचाई तो हम लोगों को बी श्रेणी की बैरक में भेजा गया।

## शिक्षकों–कर्मचारियों को 76 लाख से निःशुल्क देंगे फार्म 16

प्रयागराज। प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों तथा समग्र शिक्षा अभियान योजना के तहत संचालित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को फार्म 16 निःशुल्क उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। शिक्षा निदेशालय में वित्त नियंत्रक (माध्यमिक) मदन लाल ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालयों के वित्त एवं लेखाधिकारियों को फार्म 16 निःशुल्क उपलब्ध कराने के लिए 76 लाख रुपये इस प्रतिबंध के साथ आवंटित किया है कि अनियमित, गलत या दोहरा भुगतान न होने पाए एवं नियमानुसार तत्काल भुगतान की कार्यवाही की जाए।

## एडेड कॉलेजों में सिर्फ ऑनलाइन तबादले की तैयारी

प्रयागराज। सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में सिर्फ ऑनलाइन आवेदन की तैयारी है। ऑफलाइन आवेदन को लेकर मचे बवाल के बीच माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारी इस साल ऑफलाइन प्रक्रिया निरस्त करने की तैयारी में हैं। शासनादेश में व्यवस्था दी गई थी कि छह जून तक माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में ऑफलाइन आवेदन कर चुके तकरीबन एक हजार शिक्षकों के मामले में नियमानुसार विचार किया जा सकता है। हालांकि उसके बाद शिक्षक संगठनों ने आंदोलन शुरू कर दिया। शिक्षक नेताओं का कहना है कि जिला विद्यालय निरीक्षक और संयुक्त शिक्षा निदेशक कार्यालय में लंबित ऑफलाइन आवेदनों पर भी विचार किया जाए। यही नहीं तमाम अधिकारी बैक डेट में आवेदन पत्रों को शिक्षा निदेशालय भेज दे रहे हैं। ऐसे में किसी विवाद से बचने के लिए माध्यमिक शिक्षा विभाग के अफसर 27 जून को ऑनलाइन स्थानान्तरण सूची जारी करने की तैयारी कर रहे हैं। पूरे प्रदेश से 1772 शिक्षकों और प्रधानाचार्यों ने ऑनलाइन आवेदन किया है।

## दो शिष्यों ने स्वर्ण जीतकर बढ़ाया विजेंद्र का मान

प्रयागराज। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में मंगलवार को संपन्न 23वीं राष्ट्रीय जूनियर (अंडर–20) एथलेटिक्स चौंपियनशिप के आखिरी दिन महाराष्ट्र के गढ़चिरोली की प्रियंका और रेवाड़ी (हरियाणा) के नवरतन ने अलग–अलग स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। दोनों भले ही विपरीत छोर के निवासी हैं लेकिन दोनों में एक रिश्ता कॉमन रहा। दोनों के गुरु एक ही हैं। वह नासिक में एथलेटिक्स का प्रशिक्षण देते हैं। प्रियंका और नवरतन वहीं रहकर विजेंद्र सिंह से प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। 5000 मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने के बाद प्रियंका ने विजेंद्र को अपना गुरु बताया। स्टीपल चेज के स्वर्ण पदक विजेता नवरतन ने भी कहा कि बेहतर प्रशिक्षण के लिए रेवाड़ी से नासिक गया। प्रियंका और नवरतन नासिक में किराए के कमरे में रहते हैं। प्रियंका ने जहां पहली बार राष्ट्रीय एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीता वहीं किसान के बेटे नवरतन को इसके लिए तीन साल इंतजार करना पड़ा। नवरतन ने 2022 के स्कूल गेम्स में आखिरी बार स्वर्ण पदक जीता था। वह भी प्रियंका की तरह प्रतियोगिताओं में पदक नहीं जीत पाने से हताश थे।

## सेना के जवान ने तराशा 'गोल्डन ब्वाय' अनुराग को

प्रयागराज। संभल जिले के अनुराग सिंह ने सोमवार को 23वीं राष्ट्रीय जूनियर (अंडर–20) एथलेटिक्स चौंपियनशिप के शॉटपुट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में आयोजित चौंपियनशिप के तीसरे और अंतिम दिन सुबह आयोजित स्पर्धा के फाइनल राउंड में पदक जीतने वाले अनुराग ने बचपन में खिलाड़ी बनने का सपना कभी नहीं देखा। संभल जिले के भवालपुर गांव के सामान्य बच्चों की तरह अनुराग भी स्कूल में पढ़ने जाते थे। अनुराग एकदिन स्कूल गए और उनपर सेना के जवान विकास चौधरी की नजर पड़ी। शॉटपुट के खिलाड़ी विकास ने अनुराग का भारी भरकम शरीर देख शॉटपुट खेलने की सलाह दी। अगले दिन से ही अनुराग स्कूल के ग्राउंड में शॉटपुट का एबीसीडी सीखने विकास के पास पहुंच गए। विकास ने भी अनुराग को खिलाड़ी बनाने में बड़ी मेहनत की। फिर अनुराग का लगाव हो गया और विकास के ड्यूटी पर चले जाने के बाद खुद अभ्यास करने लगे। स्कूल के जरिए अनुराग की पहचान बनने लगी। 2021 में अनुराग का चयन स्कूल गेम्स के लिए हुआ। गुवाहाटी में आयोजित प्रतियोगिता में पहली बार भाग लेकर अनुराग ने शॉटपुट में राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित कर दिया तो इनपर दिग्गजों की नजर पड़ गई। एकदिन अनुराग का चयन साई सोनीपत में हो गया। किसान के बेटे अनुराग न अपना प्रदर्शन निखारने के लिए जमकर पसीना बहाया। कठिन मोहनत की बदौलत अनुराग ने पिछले साल दुबई में आयोजित 21वीं एशियन एथलेटिक्स प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

## अखिल भारतीय गुर्जर महासभा ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

नई दिल्ली। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा (स्थापित–1908) के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ० मनोज कटारिया ने जानकारी देते हुए बताया कि संगठन के पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय प्रमुख महामंत्री सुधीर बैंसला एवं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बच्चू सिंह बैंसला के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख भाई मांडविया तथा खेल राज्य मंत्री एवं महासभा महिला ईकाई की राष्ट्रीय संरक्षक व प्रभारी रक्षा खड़से से राजस्थान के दूदू निवासी एवं स्विट्जरलैंड में नॉटविल विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रांड प्री में पुरुषों की भाला फेंक एफ 42 श्रेणी में 61.17 मीटर के प्रयास से

विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक विजेता महेन्द्र गुर्जर एवं उनके कोच समरजीत सिंह मल्ली की मुलाकात हुई और इस दौरान भारत सरकार के दोनों मंत्रियों से राष्ट्रीय प्रमुख महामंत्री सुधीर बैंसला, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बच्चू सिंह बैंसला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीएन सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं प्रचार मंत्री डॉ० मनोज कटारिया तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य विवेक बैंसला आदि राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने समाज से जुड़े सामाजिक मुद्दो एवं खेल के क्षेत्र में गुर्जर समुदाय की भागीदारी बढ़ाने के लिए विस्तार से चर्चा की। राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने दोनों केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात कराकर विश्व स्वर्ण पदक विजेता महेन्द्र गुर्जर एवं उनके कोच समरजीत मल्ली की समस्याओं का निस्तारण करवाया। इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा महामंत्री दीपक बैंसला, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह नागर, प्रदेश मंत्री अमरजीत चौधरी एवं नोएडा महानगर अध्यक्ष सुशील अवाना आदि मौजूद रहे।

## खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता चयनित हुए खिलाड़ियों को माला पहनाकर उनको किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। जिलाधिकारी श्री उमेश मिश्रा ने आज जिलाधिकारी कक्षा में किक बॉक्सिंग खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए खिलाड़ियों को माला पहनाकर उनको किया सम्मानित। जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाए भी दी, उन्होंने सहयोग का प्रतियोगिता के लिए आश्वासन देकर खिलाडियो का उत्साहवर्धन

किया। उन्होंने कहा उच्च स्तर प्रदर्शन के लिए मेहनत व कठिन परिश्रम जरूरी है, आप प्रयास कर राष्ट्रीय ही नहीं वरन विश्व स्तर पर तिरंगा लहराए हम आपके साथ है। राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित खिलाडी – सीनियर वर्ग मे राखी सूर्यदेव, पिंकी सूर्यदेव व कन्हैया प्रहलाद सैनी 16 से 20 जुलाई 2025 रायपुर (छत्तीसगढ़) राष्ट्रीय प्रतियोगिता मे अपना दमखम दिखाएंगे व सबजूनियर वर्ग में–

शगुन, शिवाजी, सात्विक मालिक, अवन्या, पुष्पराज चौधरी, मानवी, तेजस ये सभी खिलाडी २० से 24 अगस्त 2025 तार्मलनाडु में अपने दमखम का प्रदर्शन करेंगे व जूनियर वर्ग में उज्जवल रिहान अहमद 10 से 14 सितंबर 2025 मे होने वाली राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता में अपना उच्च प्रदर्शन कर अपने जिले व राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर स्वार्णम (रोशन) करेंगे। इस दौरान किक बॉक्सिंग एसोसिएशन के कोच मनोज कुमार जी को भी सम्मानित कर बधाई दी।

## मदद फाउंडेशन का नया कीर्तिमान

प्रयागराज। मदद फाउंडेशन के अथक प्रयास से एक नया कीर्तिमान बन गया है, इस प्रचंड गर्मी में फुटपाथ पर रहकर अपना जीवन यापन करने वाले लोगों एवं शहर वासियों के लिए मदद फाउंडेशन लगातार शुद्ध पेयजल की व्यवस्था के लिए प्रयासरत था जिसके परिणाम स्वरूप पूरे शहर भर में जल निगम एवं नगर निगम ने आप सभी की अपनी संस्था मदद फाउंडेशन के साथ मिलकर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था कर दी है। यह कार्य निश्चित तौर पर मदद फाउंडेशन के लिए बहुत बड़ा है।

MADAD FOUNDATION
चलो खुशियां बांटे...

प्रयागराज में हमसे बहुत ज्यादा पुरानी पुरानी संस्थाए कार्यरत हैं लेकिन जो कार्य मात्र 3 वर्षों में मदद फाउंडेशन ने कर दिखाया है वह शायद ही किसी संस्था ने आज तक किया है। गरीब, जरूरतमंद, निराश्रित, निशक्त एवं फुटपाथ पर रहकर अपना जीवन यापन करने वाले लोगों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था विभिन्न स्थानों पर की गई है जो निम्नलिखित है :

34 टैंक टाइप स्टैंड पोस्ट, 24 पेयजल प्याऊ (मटका)

7 वॉटर एटीएम, 4 वॉटर कूलर

ये सुविधाएं शहर के प्रमुख और व्यस्त स्थानों पर स्थापित की गई हैं, जिनमें फव्वारा चौराहा, मम्फोर्डगंज, बाबा चौराहा, अशोक नगर, राजापुर हनुमान मंदिर, जीरो रोड बस अड्डा, शांति पुरम चौराहा, गोविंदपुर चौराहा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय चौराहा, नैनी गाँव चाका, सिविल लाइन हनुमान मंदिर, जोगी वीर चौराहा, सुभाष चौराहा, सिविल लाइन बस स्टैंड, हनुमान मंदिर और मेडिकल चौराहा आदि शामिल हैं।

# आपातकाल के काले अध्याय की 50वीं बरसी का हुआ आयोजन

मुजफ्फरनगर। आपातकाल स्मरणोत्सव आपातकाल के काले अध्याय की 50वी बरसी पर पीएम श्री राजकीय इंटर कालेज मुज़फ्फरनगर में कार्यक्रम का आयोजन

मुज़फ्फरनगर पी एम श्री राजकीय इंटर कॉलेज के सभागार में आपातकाल की 50वी बरसी पर शाशन के आदेशानुसार लोकतंत्र की पुनर्स्थापना हेतु संघर्ष करने वाले सभी सत्याग्रह करने वाले सभी सत्याग्रहियों को नमन किया । कर्तकर्म में जनपद के प्रभारी मंत्री सोमेंद्र तोमर राज्यमंत्री ऊर्जा एवं अतरिक्त ऊर्जा उत्तरलरदेश व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरपाल निर्वाल नगरपालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी मुख्य विकास अधिकारी कमल किशोर देशभूषण कंडरकर, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार श्रीवास ने सत्याग्रहियों को नमन किया

प्रभारी मंत्री ने स्वन्त्रता सैनानियों को नमन करते हुए कहा कि आपातकाल के बुरे दिनों को कभी भुलाया नही जा सकता सन 1975 से 1977 की समयावधि संस्थानों के सुनियोजित तरीके से विनाश की साक्षी रही है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार भारत की

लोकतांत्रिक भावना को मजबूत करने के लिये हर संभव प्रयास कर रही है और हम सभी को संविधान में निहित मूल्यों पर खरा उतरने का प्रयास कर देश मे लोकतांत्रिक भावना को स्थापित करना है जिला पंचायत अध्यक्ष वीरपाल निर्वाल जी ने कहा कि आपातकाल में आवाज उठाने की कीमत मौत थी 25 जून 1975 को देश मे आपातकाल लगाया गया था देश मे सविधान की हत्या हुई थी आज हम सभी ज्ञात व अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते है उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते है आज आपातकाल की 50वी बरसी पर जनपद मुज़फ्फरनगर के स्वन्त्रता सैनानी रहे श्रधेय श्रीमती केला देवी, मो0 अफजाल, मो0 जफरयाब, रमेश चंद, ज्ञान कुमार , मो0 जिकरिया, मो0 शाहिद, मो0 इलियास, नरेंद्र मित्तल, मनीषा हरवीर सिंह, मुस्तफा जी ने आपातकाल के अपने संस्मरण सुनाए जिन्हें सुनकर पंडाल में मौजूद सभी के रोंगटे खड़े हो गए उन्होंने बताया कि उस समय बड़ी यातनाएं उन्हें सहन करनी पड़ी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मुख्य रूप से उप प्रधानाचार्य ले0 नितिन कुमार, व0प्रवक्ता ममता रानी, गीता रानी, ब्रह्मप्रकाश, भूपेंद्र आर्य, सुचित्रा सैनी, नीतू रानी, वंदना कादियान,अनिल कुमार, आदर्श सिंघल, पूनम , रकम सिंह, मनोज कुमार, मोहित शर्मा, राजीव गोयल ,प्रकाशी आदि का सहयोग रहा।

# संत जोसेफ स्कूल के नए प्राचार्य के रूप में रेव्ह फादर मेल्विन विल्सन डिसूजा की नियुक्ति

प्रयागराज। नाजरेथ अस्पताल, प्रयागराज का प्रबंधन यह घोषणा करते हुए अत्यंत हर्ष का अनुभव कर रहा है कि रेव्ह फादर मेल्विन विल्सन डिसूजा, जो कि पिछले एक वर्ष से इस संस्था में सहायक निदेशक के रूप में सेवा दे रहे थे, उन्हें दिनांक 25.06.2025 से संत जोसेफ स्कूल, सड़वा कला, नैनी, प्रयागराज के नए प्राचार्य के रूप में स्थानांतरित कर पदोन्नत किया गया है।

अपने प्राचार्य पद के अतिरिक्त, उन्हें इलाहाबाद रोमन कैथोलिक डायोसिस के डायोसेसन एजुकेशन ऑफिसर के रूप में भी नियुक्त किया गया है, जहाँ वे डायोसिस के तहत सभी कैथोलिक शैक्षणिक संस्थानों के शैक्षणिक मिशन और गुणवत्ता मानकों की देखरेख करेंगे।

रेव्ह फादर मेल्विन विल्सन डिसूजा एक कर्तव्यनिष्ठ और प्रतिबद्ध नेतृत्वकर्ता हैं, जिनके जोशीले और उत्साही व्यक्तित्व ने नाजरेथ अस्पताल के सभी कर्मचारियों एवं मरीजों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने रोगी देखभाल में गहरी करूणा और अस्पताल संचालन में निःस्वार्थ समर्थन प्रदान किया है। एक योग्य वकील होने के नाते, उन्हें अस्पताल से संबंधित सभी प्रकार के मेडिको लीगल मामलों को संभालने और मरीजों को उचित परामर्श देने की जिम्मेदारी का भी निर्वहन कर रहे थे।

अस्पताल प्रबंधन उनकी नाजरेथ अस्पताल एवं मरीजों के प्रति निःस्वार्थ सेवा के लिए गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता है और शिक्षा के क्षेत्र में उनकी इस नई नियुक्ति के लिए हार्दिक शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रेषित करता है।

# बाल साहित्यकार डॉ. सतीश चन्द्र भगत हुए सम्मानित

प्रयागराज। भारतीयबाल कल्याण संस्थान, कानपुर का 64 वाँ सम्मान समारोह– 2025 संस्थान के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्री भूधर नारायण मिश्र की अध्यक्षता में दिनांक– 22 जून को जयनारायण विद्या मंदिर, कानपुर के सभागार में सम्पन्न हुआ द्य इस सारस्वत सम्मान के संचालक प्रसिद्ध बाल साहित्यकार श्री चक्रधर शुक्ल कर रहे थे द्य जबकि स्वागत संस्थान के महामंत्री श्री एस. बी. शर्मा जी ने किया द्य समारोह के समृद्ध मंच पर मुख्य अतिथि सहित ख्यातिप्राप्त बाल साहित्यकार डॉ. नागेश पाण्डेयश संजयश, डॉ. सुरेश अवस्थी, डॉ. अनीता सेठिया, डॉ. सतीश चन्द्र भगत, जयनारायण विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य डॉ. अनिल जी की उपस्थिति में बनौली, दरभंगा के हिन्दी बाल साहित्य शोध संस्थान के निदेशक ख्यातिलब्ध बाल साहित्यकार डॉ. सतीश चन्द्र भगत को कीर्तिशेष डॉ. तपेश्वरी प्रसाद गुप्त विशेष सम्मान द्वारा बाल साहित्य सेवा एवं राष्ट्र सेवा के आधार पर अंगवस्त्र, सम्मान पत्र, बंद लिफाफे में 2500/– राशि , माला से अलंकृत एवं सम्मानित किया अध्यक्ष श्री भूधर नारायण मिश्र, डॉ. सुरेश अवस्थी।

इस सम्मान के लिए हिन्दी बाल साहित्य शोध संस्थान, बनौली के सचिव अमिताभ कुमार सिन्हा, आदित्य गोविन्दम्, प्रख्यात बाल साहित्यकार भगवती प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी समाहार मंच दरभंगा के अध्यक्ष अखिलेश कुमार चौधरी, उपाध्यक्ष अरूण कुमार वर्मा ,संगठन सचिव आशीष अकिंचन, संयुक्त सचिव महाकांत प्रसाद, मुश्ताक एकबाल, सहित हिन्दी साहित्य भारती के बिहार प्रदेश के अध्यक्ष– डॉ. दिनेश प्रसाद साह, सूबेदार नंदकिशोर साह , डॉ. उषा श्रीवास्तव आदि ने डॉ. भगत को हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं।

# अंतरिक्ष यात्रा पर रवाना हुआ बेटा तो माता पिता के छलके आंसू

## खुशी से भांगड़ा करने लगे शिक्षक और छात्र

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में जन्मे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के बुधवार को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर (केएससी) से स्पेसएक्स फाल्कन 9–रॉकेट पर सवार होकर अंतरिक्ष के लिए रवाना होने के साथ नवाबों के शहर लखनऊ के गौरवशाली इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया। रॉकेट जैसे ही फ्लोरिडा के आसमान में पहुंचा, लखनऊ के कानपुर रोड स्थित सिटी मोंटेसरी स्कूल के वर्ल्ड यूनिटी कन्वेंशन सेंटर ऑडिटोरियम में इस पल का सजीव प्रसारण देख रहे शुक्ला के परिजन भावुक हो गये। हों भी क्यों ना, आखिर 1984 में राकेश शर्मा द्वारा सोयूज अंतरिक्ष यान पर सवार होकर इतिहास रचने के बाद 41 साल बाद शुभांशु शुक्ला के रूप में भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान में वापसी जो हुई है। मेहमानों से भरा ऑडिटोरियम स्पेसएक्स फाल्कन 9–रॉकेट के रवाना होते ही शुक्ला के गौरवान्वित माता–पिता और बहनों, वरिष्ठ

रक्षा कर्मी, सिटी मोंटेसरी स्कूल के शिक्षक, शहर के प्रमुख लोग, और जिंदगी में पहली बार ऐसे नजारे को देख रहे छात्रों की भीड़ की तालियों और शहिप हिप हुर्रेश के नारों से गूंज उठा।

## नवाब खस (चूसनी) आम

(कुण्डलिया)

छोटा गोल स्वरूप है, मधुर रसीला आम।
पतली गुठली रस अधिक, है 'नवाब खस' नाम।
है 'नवाब खस' नाम,ख़ासियत इसकी जाने।
शूगर के पेसेन्ट,आ रहे इसको खाने।
सुन लो कहें प्रदीप,न इसमें कोई टोटा।
पौध लगाओ आज, बड़ा हो या फिर छोटा।।

अजब नवाबी ठाठ है, गजब रूप अरु रंग।
मीठे 'चुसनी आम' के,नाना स्वाद–प्रसंग।
नाना स्वाद–प्रसंग,रसीला गूदे वाला।
माली का धर रुप,नवाबो ने है पाला।
खाकर कहें प्रदीप, दिखी न कोई खराबी।
है 'नवाब खस' नाम, बताता दौर नवाबी।।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज

## साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज से जुड़े रचनाकारों को मिला साहित्यिक सम्मान

### –लेखकों कवियों और साहित्यकारों ने दी बधाई व शुभकामनाएँ

प्रयागराज। हिन्दी पुस्तकों के चर्चित प्रकाशन संस्थान साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज के अनेक रचनाकारों को विभिन्न साहित्यिक सम्मान मिलने पर साहित्यकारों कवियों और लेखकों ने उन्हें हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ दी हैं और आशा व्यक्त की है कि वह इसी तरह साहित्यिक सम्मान की श्रीवृद्धि करते रहेंगे।

साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज के व्यवस्थापक एवं निदेशक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने बताया कि दरभंगा निवासी वरिष्ठ बाल साहित्यकार डॉ सतीश चन्द्र भगत को विगत दिनों कानपुर में उनके साहित्यिक अवदान के लिए सम्मानित किया गया, इसी प्रकार प्रयागराज की वरिष्ठ साहित्यकार जया मोहन को अनेक साहित्यिक सम्मान प्राप्त हुए हैं द्य साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज से जुड़े साहित्यकार दया शंकर प्रसाद, डॉ योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबंधु , डॉ राम लखन चौरसिया वागीश, सर्वेश कान्त वर्मा सरल , विजय शंकर मिश्र भास्कर , हनुमान प्रसाद सिंह अभिषेक , वंदना विनम्र , विजय बेशर्म, डॉ सतीश बब्बा , तुलसी देवी तिवारी, आनंद नारायण पाठक अभिनव आदि अन्य कई साहित्यकारों को विगत दिनों में विभिन्न क्षेत्रों में सम्मानित किया गया है द्य साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज के साथ जुड़े सभी रचनाकारों को साहित्यकारों कवियों लेखकों की ओर से बधाइयाँ और शुभकामनाएँ प्राप्त हो रही हैं जिससे रचनाकारों में हर्ष व्याप्त है।

## विधायक के इस्तीफे की चर्चाओं के बीच सपा ने तैयार की चुनावी रणनीति, उपचुनाव पर पार्टी का मास्टरप्लान तैयार

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी से निष्कासित रायबरेली की ऊंचाहार सीट के विधायक मनोज कुमार पांडे के इस्तीफे की खबरें जोरों पर हैं। दावा किया जा रहा है कि वो विधायकी से इस्तीफा देने के बाद भाजपा से चुनाव लड़ सकते हैं। इस बीच, समाजवादी पार्टी ने भी उपचुनाव की स्थिति के लिए रणनीति तेज कर दी है। सूत्रों के अनुसार, सपा ऐसी तैयारियां कर रही है ताकि उपचुनाव में भी इस सीट पर जीत सुनिश्चित हो सके। सपा के रणनीतिकारों का कहना है कि अगर मनोज पांडे इस्तीफा देते हैं और ऊंचाहार में उपचुनाव होता है, तो पार्टी पूरी तैयारी के साथ मजबूत प्रत्याशी उतारेगी। सूत्रों के मुताबिक, सपा घोसी उपचुनाव की तर्ज पर रणनीति बनाएगी और जिताऊ उम्मीदवार पर दांव लगाएगी। साथ ही, जमीनी स्तर पर संगठन को और मजबूत किया जाएगा, और अंत तक पूरी ताकत से चुनाव लड़ा जाएगा। घोसी सीट पर 2022 में सपा के दारा सिंह चौहान ने जीत हासिल की थी, लेकिन उन्होंने इस्तीफा देकर बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ा। उस उपचुनाव में अखिलेश यादव के चाचा शिवपाल यादव ने कमान संभाली और एक महीने पहले से डेरा डाल लिया। नतीजतन, सपा के सुधाकर सिंह ने दारा सिंह को हराकर जीत दर्ज की। बता दें, सपा ने तीन बागी विधायकोंकृ अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह और मनोज पांडेकृको पार्टी से निकाल दिया है, जिससे यूपी की सियासत गर्म है।

# सम्पादकीय.....

## उपचुनावों में भाजपा को मात

चार राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे सोमवार को आए, जिसमें केंद्र की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। गुजरात की कड़ी और विसावदर विधानसभा सीट, पंजाब की लुधियाना सीट, केरल की नीलांबुर सीट और प.बंगाल की कालीगंज सीट पर 19 जून को मतदान हुआ था। पंजाब में आप उम्मीदवार संजीव अरोड़ा और प.बंगाल में टीएमसी उम्मीदवार अलीफा अहमद को जीत मिली, यानी इन दो राज्यों में सत्तारुढ़ दलों के प्रत्याशियों ने जीत हासिल की। लेकिन गुजरात में भाजपा के लिए मामला फंस गया, क्योंकि यहां की कडी सीट पर तो भाजपा के राजेंद्र कुमार (राजूभाई) दानेश्वर चावड़ा ने जीत दर्ज की है, लेकिन विसावदर सीट पर अब आप की जीत हुई है। आप प्रत्याशी गोपाल इटालिया ने भाजपा के कीर्ति पटेल को हराया है। वहीं केरल में भी नीलांबुर सीट पहले एलडीएफ के पास थी, लेकिन अब उस पर कांग्रेस के आर्यदान शौकत को जीत मिली है। कुल पांच सीटों में भाजपा के पास केवल एक सीट आई है और एक सीट उसने गंवाई है। बेशक इन पांच सीटों से देश की मौजूदा सियासी तस्वीर पर तत्काल कोई असर पड़ते हुए नहीं दिख रहा है, लेकिन इसका दूरगामी परिणाम क्या हो सकता है, यह समझना कठिन नहीं है। गुजरात की कुल 182 विधानसभा सीटों में भाजपा के पास 161 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के पास 12 और आप के पास चार हैं। एक सीट समाजवादी पार्टी और दो निर्दलीय के पास है। लेकिन अब भाजपा की एक सीट घट गई है और आप की सीट अब पांच हो गई है। अगर इंडिया गठबंधन के लिहाज से देखें तो कुल 18 सीटें हो सकती हैं। हालांकि दिल्ली चुनाव में जिस तरह आप और कांग्रेस के बीच तल्खी बढ़ी जो अब पंजाब में भी देखी जा रही है, उसे देखकर कहना कठिन है कि इंडिया गठबंधन में अब आप और कांग्रेस की एकता कैसे कायम होगी। लेकिन अगर लोकसभा चुनावों में मिली जुली कोशिशें ये दल याद करेंगे तो उन्हें समझ आएगा कि भाजपा को हराने के लिए विपक्षियों में एकता कितनी जरूरी है। वैसे गुजरात में भाजपा को बड़ा झटका इसलिए माना जा रहा है कि उसने जीती हुई सीट गंवा दी है। कडी सीट तो भाजपा विधायक करसनभाई पंजाबभाई सोलंकी के निधन के कारण खाली हुई थी और वो अब भाजपा के पास ही है। लेकिन विसावदर में आप ने भाजपा के खेल का जवाब दे दिया है। यहां पहले आम आदमी पार्टी से ही भूपेंद्रभाई गंडूभाई भायानी विधायक बने थे, लेकिन दिसंबर 2023 में अपने पद से इस्तीफा देकर वो भाजपा में शामिल हुए थे। तब से ये सीट खाली है। इससे पहले साल 2022 में भाजपा के हारे प्रत्याशी हर्षद रीबडिया ने गुजरात हाईकोर्ट में भायानी की जीत को चुनौती दी थी। लेकिन अभी मार्च में हर्ष रीबाडिया ने अपनी याचिका वापस ले ली थी, तो उपचुनाव का रास्ता साफ हुआ और जनता ने एक बार फिर आप को ही मौका दिया। इस जीत से आप का ग्राफ थोड़ा और बढ़ गया है। उधर पंजाब में तो आप की जीत का दोहरा असर होता दिख रहा है। आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल फरवरी 2025 में हुए दिल्ली चुनाव में अपनी सीट भी हारे थे और सत्ता भी गंवाई थी। तब से आप कार्यकर्ताओं का मनोबल काफी टूटा हुआ दिख रहा था। इस बीच कई नेता भाजपा खेमे में शामिल हो गए थे। लेकिन पंजाब की लुधियाना वेस्ट सीट पर उपचुनाव से आप के हौसले अब सातवें आसमान पर हैं। पार्टी मुखिया ने इस संभावना से तो इंकार किया है कि वे संजीव अरोड़ा की खाली सीट पर राज्यसभा जाएंगे, लेकिन ये दावा उन्होंने किया है कि अगले विधानसभा चुनाव में पंजाब में आप की आंधी नहीं बल्कि तूफान आएगा, क्योंकि हमारे प्रत्याशी को पिछली बार की अपेक्षा दोगुने वोट देकर जनता ने हमारे काम पर मुहर लगाई है। पंजाब में कुल 117 विधानसभा सीटों में आप के पास 91 सीटें हैं। जो अब 92 हो जाएंगी। कांग्रेस के पास 18, शिरोमणि अकाली दल के पास 3 सीट, बसपा 1 और बीजेपी की 2 सीटे हैं। एक विधायक निर्दलीय है। यानी केजरीवाल की आसान जीत तय है। मुख्यमंत्री न रहने और सत्ता जाने के बाद केजरीवाल के पास जो सरकारी सुविधाएं नहीं थीं, वो अब उन्हें मिल जाएंगी और उनके खिलाफ चल रहे केस में पुलिस को कार्रवाई के लिए अनुमति लेने की जरूरत पड़ेगी। बात करें केरल की तो कांग्रेस का बढ़ता दबदबा और प्रियंका गांधी का असर दोनों नजर आ रहा है। केरल में 140 विधानसभा सीटों में सत्तारुढ़ एलडीएफ के पास 98 सीटें हैं। और कांग्रेस के यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के पास 41 सीटें हैं। नीलांबुर सीट से 2021 में एलडीएफ के समर्थन से स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर पी.वी. अनवर विधायक चुने गए थे। लेकिन सितंबर 2024 में एलडीएफ से मतभेद के चलते 13 जनवरी 2025 को अनवर ने इस्तीफा दिया था और टीएमसी में शामिल हो गए थे।

# बड़ा खतरा, १६ अरब डेटा लीक

**प्रेम शर्मा**

*कल तक जो आशंका मात्र थी वह अब भयावह सच में बदलने जा रही है। साइबर विशेंषज्ञों के अनुसार अरबों की संख्या में 'लॉग इन क्रेडेंधशियल लीक होने के बाद ऑनलाइन ड़ेटासेट में संकलित हो गए है।*

आप किसी काम में लगे होते हैं, तभी आपके वॉट्सऐप पर एक ऑनलाइन गेम का लिंक आता है या आपके मोबाइल पर किसी रियल इस्टेट कंपनी का घर खरीदने के लिए मैसेज आता है। आम तौर पर आप उसे इग्नोर कर देते हैं, लेकिन ऐसे मैसेज और वॉट्सऐप अगर बंद नहीं होते और लगातार बढ़ते जाते हैं तो ऐसा हो सकता है कि आप भी ऐसे सोशल मीडिया यूजर्स में शामिल हों, जिनका डेटा लीक हुआ है। आज से चार वर्ष पहले दुनिया के 106 देशों में रहने वाले फेसबुक के 53.3 करोड़ यूजर्स का डेटा लीक हो गया था। अब बार फिर डेटा लीक होने का महाप्रकरण सामने आ रहा है इस बार यह संख्या 16 अरब पर पहुच गई है। चौकाने वाली बॉत यह कि आम आदमी की निजता, सुरक्षा के लिए खतरनाक डेटा लीक प्रकरण को लेकर सम्बंधित कम्पनियों पर कोई संख्त कार्रवाई अब तक किसी देश की सरकार द्वारा नही की गई। पहले लीक हुए डेटा के मुकाबले इस बार लीक डेटा इसलिए खतरनाक है क्योंकि इसमें यूजर्स के नाम, ईमेल आईडी, फेसबुक आईडी के साथ ही मोबाइल नंबर, घर का पता, जन्मतिथि, वर्कप्लेस की जानकारी और अकाउंट बनाने की तारीख जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां भी डेटा चोरों को मिल गई हैं। जानकारी के अनुसार कैसे लीक हुआ डेटा? यह डेटा बॉट (एक कंप्यूटराइज्ड रोबोट) की मदद से लीक किया गया। डेटा लीक का सबसे ज्यादा विवादित मामला 2018 में हुआ कैंब्रिज एनालिटिका स्कैंडल था, जिसमें राजनीतिक पार्टियों को सुझाव देने और उनके लिए रणनीति बनाने वाली ब्रिटिश कंपनी कैंब्रिज एनालिटिका ने फेसबुक पर एक पर्सनालिटी क्विज ऐप के जरिए करीब 8.7 करोड़ लोगों की पर्सनल जानकारियां हासिल कर ली थीं। उस समय डेव वॉकर ने कहा, इस मामले में भी फेसबुक को माफ करना इसलिए मुश्किल है क्योंकि इस गड़बड़ी के बारे में 2017 में ही फेसबुक को आगाह किया गया था। यानी डेटा लीक होने से 2 साल पहले। तब फेसबुक ने इसे नकार दिया था। इस घटना के दो साल बाद ही किसी ने 53. 3 करोड़ लोगों का डेटा चुरा लिया।श् यानी करीब 20 प्रतिशत फेसबुक यूजर्स का डेटा चोरी हुआ है। बता दें कि 31 दिसंबर, 2020 तक दुनियाभर में फेसबुक का इस्तेमाल कर रहे लोगों की संख्या 280 करोड़ थी। यह केवल एक सोशल मीडिया साइड का मामला था। यानि यह कहने में कोई गुरेज नही होनी चाहिए कि गूगलॉ फेसबुक और एप्पल सहित तमाम कंपनियों ने अपनी लापरवाही से आपकी सारी निजी जानकारी गलत हाथों में पड़ जाने का खतरा पैदा कर दिया है। अपराधी इसका कैसा इस्तेमाल करेंगे और उसका आपके जीवन पर कैसा असर होगा यह सोच कर ही रूह कांप जाती है। कल तक जो आशंका मात्र थी वह अब भयावह सच में बदलने जा रही है। साइबर विशेंषज्ञों के अनुसार अरबों की संख्या में 'लॉग इन क्रेडेंधशियल लीक होने के बाद ऑनलाइन ड़ेटासेट में संकलित हो गए है। जिससे अपराधियों को उपयोगकर्ताओं के खातों तक पहुंच मिल गई है। इससे न बैंक खाते सुरक्षित रहेंगे और न आपकी अन्य निजी जानकारियां जैसे चिकित्सकीय इत्यादि का ब्यौरा। हर वह खाता खतरे में है जिसे आप कंप्यूटर या मोबाइल पर किसी काम के लिए बनाते हैं। आपके ईमेल के जरिए किए गए संवाद व पत्र व्यवहार अपराधियों की जद में होंगे। आपकी ऑनलाइन खरीदॉ रुचियां और अन्य कार्य अपराधियों की जानकारी में होंगे। वे आपको धमका सकते है। ब्लैकमेल कर सकते है। वैसे भी इस तरह के अपराध पिछले कुछ समय से तेजी से सामने आए है। यहां तक कि आपको आत्मघाती कदम उठाने पर भी मजबूर कर सकते हैं। शोधकर्ताओं ने फिलहाल 30 ड़ेटासेट का पता लगा है। जिनमें से प्रत्येक में बड़घी संख्या में लॉग इन जानकारी दी गई है। कुल मिला कर 16 अरब से अधिक लॉग इन जानकारियां लीक हुई है। जिनमें गूगलॉ फेसबुक और एप्पल समेत कई लोकप्रिय प्लेटफॉर्म के उपयोगकर्ताओं के पासवर्ड़ शामिल हैं। इतनी लाग इन जानकारियां लीक हो चुकी है। जो दुनिया की आबादी के दो गुने से भी ज्यादा हैं। इसका मतलब हुआ किप्रभावित उपभोक्ताओं के एक से अधिक खातों की जानकारी लीक हुई है। चौंकाने वाली बात यह है कि लॉग इन जानकारी लीक होने की सूचना किसी एक स्रोत से नहीं आई है यानी ऐसा नहीं है कि किसी एक कंपनी को निशाना बना कर जानकारी लीक गई हो। लगता है कि अलग अलग समय पर ड़ेटा चुराया गया और इकट्ठा लीक किया गया। इसके लिए कई तरह के इंफोस्टीलर्स इसके लिए सबसे अधिक जिम्मेदार हैं। 'इंफोस्टीलर ऐसा सॉफ्टवेयर होता है जो पीड़िघ्त के ड़िवाइस या सिस्टम में सेंध लगा कर संवेदनशील जानकारी चुरा लेता है।लीक हुआ डेटा का इस्तेमाल करके किए जा सकते हैं कई अपराध लोगों के फोन नंबर और तमाम जानकारियां आम होने से करोड़ों लोगों की प्राइवेसी खत्म हो गई है। एक्सपर्ट कहते हैं कि लीक हुए डेटा का इस्तेमाल लोगों को झांसा देने, मैसेज में स्पैम भेजने, मार्केटिंग से जुड़े फोन और टारगेटेड एडवरटाइजिंग के लिए किया जा सकता है। इससे भी ज्यादा खतरनाक बात है कि इन फोन नंबर का इस्तेमाल किसी व्यक्ति,यक्तियों की निशानदेही के लिए किया जा सकता है। ऑनलाइन पेमेंट के साथ ज्यादातर डिजिटल सर्विस के लिए अब फोन नंबर की जरूरत होती है, जिस पर वेरिफिकेशन कोड भेजा जाता है।

# इमरजेंसी के पचास साल: मीडिया या तानाशाही की आंखों पर बंधी पट्टी

**शकील अख्तर**

इंदिरा गांधी के जिस इमरजेंसी निजाम के अब पचास साल हो रहे हैं, उसकी एक प्रमुख निशानी बेशक उन कुख्यात इक्कीस महीनों में प्रेस का दमन और उसकी स्वतंत्रता का छीना जाना थी। खासतौर पर इमरजेंसी के शुरूआती दौर की याद करते ही हमें अखबारों और पत्रिकाओं के जगह–जगह से काले रंग से पुते हुए पन्ने याद आते हैं, जिनमें प्रकाश्य सामग्री के अनेक हिस्सों पर सेंसर तंत्र की कैंची चली थी। स्वतंत्र भारत के इतिहास में संभवतरू पहली बार और अब तक अंतिम बार भी, बाकायदा एक सेंसरशिप तंत्र खड़ा किया गया था, जिसका काम हर छपने वाले शब्द को छपने से पहले जांचना था, ताकि तमाम प्रकाशित सामग्री का शासन की इच्छा के अनुकूल होना सुनिश्चित किया जा सके। याद रहे कि यह वह जमाना था जब जन माध्यम या मास मीडिया का दायरा, पत्र–पत्रिकाओं तक ही सीमित था। रेडियो जरूर तब तक एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका था, लेकिन वह पूरी तरह से शासन के नियंत्रण में था और एकदम शुरूआती दौर का टीवी भी। सिनेमा जरूर एक और स्वतंत्र माध्यम था और सभी जानते हैं कि इमरजेंसी के दौरान उसे भी नियंत्रित करने की पूरी कोशिश की गयी थी। यह सब, खासतौर पर अपने तौर–तरीके में, देश के लिए तब तक पूरी तरह से अपरिचित ही था। बहरहाल, यहां तक हमने जो तस्वीर दिखाई, वह प्रेस के साथ इमरजेंसी की तानाशाहीपूर्ण सत्ता के सलूक की तस्वीर है। लेकिन, यह सोचना सही नहीं होगा कि इमरजेंसी के दौर में प्रेस जो कर रही थी, उसकी यह प्रतिनिधि तस्वीर थी। बेशक, इमरजेंसी में प्रेस की स्वतंत्रता पर भीषण हमला हुआ था। इमरजेंसी के दौरान बेशक, पत्र–पत्रिकाओं में क्या छप सकता है, उसे बाकायदा सेंसर किया जा रहा था। लेकिन, बाहर से सेंसरशिप थोपे जाने की जरूरत अपने आप में इसका सबूत थी कि इमरजेंसी के दौरान प्रेस की कहानी, सत्ता के इस दमन की कहानी ही नहीं थी। वास्तव में इमरजेंसी के शुरूआती दौर की चाक्षुष स्मृति में काले रंग से रंगे हुए पन्नों की जो छवि सहज ही उभरती है, इस कहानी के सिक्के के दूसरे पहलू को सामने लाने वाली कहानी है, प्रतिरोध की कहानी। सेंसरशिप द्वारा काटे गए शब्दोंध वाक्योंध पैराग्राफों की जगह खाली छोड़ा जाना या काले रंग से रंगकर प्रस्तुत किए जाना, प्रतिरोध की एक शानदार कहानी कहता था। इसके और प्रखर हिस्से के तौर पर अनेक अखबारों तथा पत्रिकाओं ने, शुरू के दिनों में पूरे–पूरे पन्ने खाली या काले कर के छोड़ दिए थे। बेशक, कोई यह नहीं कह रहा है कि इमरजेंसी निजाम पर समूचे प्रेस की एक जैसी प्रतिक्रिया रही थी। हर्गिज नहीं। इस प्रतिक्रिया में भी भारतीय प्रेस की शानदार विविधता दिखाई देती थी। और यह दावा तो और भी नहीं किया जा सकता है कि शुरूआत में इमरजेंसी निजाम पर जिस तरह की प्रतिक्रिया प्रेस में देखने को मिली थी, इमरजेंसी के पूरे दौर में वैसी ही प्रतिक्रिया बनी रही थी। जाहिर है कि शुरूआती दौर में इमरजेंसी निजाम से और सबसे बढ़कर सेंसरशिप की उसकी व्यवस्थाओं से जिस तरह का श्शॉकश लगा था, उसका प्रभाव समय के साथ घटा था और एक हद तक इमरजेंसी का भी सामान्यीकरण हो गया था या उसे नया नॉर्मल मानने की प्रवृत्ति बढ़ रही थी। फिर भी, इतना तो निश्चयपूर्वक कहा ही जा सकता है कि आमतौर पर प्रेस का रुख इमरजेंसी के खिलाफ था। आमतौर पर इमरजेंसी और उसकी व्यवस्थाओं को एक असामान्य स्थिति की तरह ही लिया जा रहा था, जिससे उबरने का बेसब्री से इंतजार था। 1977 के आरंभ में हुए चुनाव में इमरजेंसी और उसे लगाने वाली इंदिरा गांधी की जबर्दस्त हार में, प्रेस के इस आम तौर पर शविरोधीश रुख ने कितनी मदद की होगी, यह तो कहना मुश्किल है। लेकिन, इतना तय है कि इंदिरा गांधी निजाम के इस हार को दूर–दूर तक भांप ही नहीं पाने के पीछे जरूर, जनता की आवाज शासन तक पहुंचाने के साधन के रूप में, प्रेस के अनुपस्थित ही होने की शायद सबसे बड़ी भूमिका रही थी। इंदिरा गांधी की इमरजेंसी उसी सिंड्रोम की शिकार थी, जिसकी शिकार सामान्य रूप से तानाशाहीपूर्ण व्यवस्थाएं होती हैंकृ जनता की मर्जी से असंबंध या उसके प्रति अंधता की शिकार। श्रीमती गांधी चुनाव में जीत की उम्मीद लगाए बैठी रहीं, जबकि जनता इस हद तक उन्हें ठुकराने का मन बनाए बैठी थी कि जब चुनाव के नतीजे आए तो कांग्रेस पूरे उत्तरी भारत में लोकसभा की सिर्फ दो सीटों पर सिमट कर रह गयी।जैसा कि जानी–मानी पत्रकार, मानिनी चौटर्जी ने अपनी एक टिप्पणी में रेखांकित किया था, 2004 के आम चुनाव में एक बार फिर सत्ताधारी पार्टी को इसी प्रकार अप्रत्याशित हार का मुंह देखना पड़ा था। लेकिन, मानिनी ध्यान दिलाती हैं कि 1977 और 2004 की सत्ताधारी पार्टी की हारों में श्अप्रत्याशितताश के तत्व में एक बुनियादी अंतर था। 1977 की हार सत्ताधारी पार्टी के लिए इसलिए अप्रत्याशित थी कि उसे प्रेस के रूप में जनता की राय तक पहुंच ही हासिल नहीं थी, जबकि 2004 के चुनाव में उसकी हार इसलिए अप्रत्याशित थी कि तब तक जनसंचार की मुख्यधारा पर काबिज हो चुका इलेक्ट्रानिक मीडिया हालांकि मुख्यतरू सत्ताधारी पार्टी के साथ था, फिर भी उसे आम लोगों की राय के बारे सही फीडबैक देने में असमर्थ था। इमरजेंसी के बाद गुजरे पचास बरस में और 2004 के अप्रत्याशित नतीजे के बाद से गुजरे दो दशकों में, जाहिर है कि हमारे देश में मीडिया परिदृश्य में बहुत भारी बदलाव आए हैं। इसमें भी पिछले एक दशक में तो ये बदलाव और भी ज्यादा तेजी से हुए हैं। इन बदलावों में तीन तत्व मुख्य हैं। पहला यह कि परंपरागत मीडिया यानी पत्र–पत्रिकाओं के मुकाबले इलेक्ट्रानिक मीडिया का जबर्दस्त वर्चस्व कायम हो चुका है। दूसरा यह कि समूचे मीडिया परिदृश्य में इजारेदार पूंजीपतियों का बोलबाला हो गया है और इन इजारेदार पूंजीपतियों का लगभग पूरी तरह से वर्तमान सत्ताधारियों के साथ गठबंधन है। इस सूरत में, अपवादस्वरूप सोशल मीडिया को छोड़कर, स्वतंत्र मीडिया की लगभग कोई जगह ही नहीं बची है। तीसरे, वर्तमान सत्ता ने भी मीडिया को अपने खूंटे से बांधने के लिए साम–दाम–दंड–भेद, सभी हथियारों का खुलकर इस्तेमाल किया है। इस सब के सामने इमरजेंसी का सेंसरशिप का राज तो बच्चों का खेल नजर आता है। इमरजेंसी के प्रतिबंध ज्यादातर नकारात्मक थे, जो सरकार की आलोचनाओं को छानकर रोकने की कोशिश करते थे। मीडिया की वर्तमान घेरेबंदी आक्रामक है, जो मीडिया को सत्तापक्ष की ओर से हमले का हथियार बनाती है। इन दस सालों में मीडिया को एक बहुत ही उपयुक्त परिचयात्मक नाम प्राप्त हुआ हैकृगोदी मीडिया। लेकिन, वास्तव में मीडिया की वर्तमान स्थिति को प्रतिबिंबित करने के लिए, गोदी मीडिया की संज्ञा भी अपर्याप्त लगती है। इसकी मुख्य वजह यह है कि सत्तापक्ष की जैसी आक्रामक सेवा अब इस गोदी मीडिया की आम पहचान बन चुकी है, गोदी मीडिया की संज्ञा उसे पूरी तरह से अभिव्यक्त करने में असमर्थ है। हैरानी की बात नहीं है कि मीडिया पर सत्ताधारी गुट के लगभग मुकम्मल नियंत्रण के बावजूद, 2024 के आम चुनाव में, 2004 दोहराते–दोहराते बचा था। चार सौ पार का नारा लगाने वाली सत्ताधारी पार्टी ढाई सौ सीटों से भी नीचे रुक गयी और लोकसभा में अपने बूते बहुमत गंवा बैठी। जाहिर है कि सत्ताधारी पार्टी और उसके शीर्ष नेता के लिए, यह एक तगड़ा झटका था। फिर भी यह झटका 2004 या 1977 जितना निर्णायक नहीं बन सका, तो अन्य तमाम कारणों के लिए अलावा इसकी एक वजह, इस दौरान मीडिया के चरित्र में भारी बदलाव में हो सकती है। इसका तो हम पीछे जिक्र कर आए हैं कि किस तरह सत्ता की जेब में बैठे इजारेदारों के नियंत्रण से मुक्त रहने के अर्थ में श्स्वतंत्र मीडियाश को धकियाकर करीब–करीब बाहर ही कर दिए जाने के बाद, गोदी मीडिया का बोलबाला हो चुका है, जो सिर्फ मालिक की गोदी में सवार ही नहीं रहता है, मालिक के इशारे पर भौंकने और काटने वाला मीडिया भी है।

# मोदी और ट्रंप की दोस्ती का सुनियोजित मिथक क्लस्टर बम की तरह फटा

के रवींद्रन

ट्रंप का स्नेह हमेशा के लिए नहीं, बल्कि किराये पर उपलब्ध है। जिस व्यक्ति ने कभी मोदी को महान व्यक्ति और भारत का मित्र कहा था, उसी व्यक्ति ने अपने राष्ट्रपति काल के दौरान, भारत से किसी अनुरोध के बिना कश्मीर विवाद में मध्यस्थता की पेशकश भी की थी। उन्होंने बार–बार यह स्पष्ट किया कि किसी भी विदेशी नेता या सिद्धांत के प्रति वफादारी व्यक्तिगत लाभ और रणनीतिक लचीलेपन से दूसरे स्थान पर आती है। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कथित रूप से मजबूत दोस्ती के बारे में किसी भी तरह के भ्रम को तोड़ दिया गया– एक ऐसा रिश्ता जिसे वर्षों से वैश्विक मंच पर भारत के उदय के प्रतीक के रूप में पेश किया जा रहा था। हाउडी मोदी रैलियों और उत्साही सार्वजनिक इशारों के माध्यम से सावधानीपूर्वक कोरियोग्राफ की गयी रणनीतिक दोस्ती का मिथक आखिरकार तब खत्म हो गया जब ट्रंप ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की मेजबानी की और उसके बाद एक चौंकाने वाला बयान दिया। ट्रंप ने एक ऐसे लहजे में घोषणा की जिसमें भारत और पाकिस्तान के पास श्बहुत ही चतुर नेताश हैं और उन्होंने दोनों देशों के बीच युद्ध विराम बनाये रखने का श्रेय उन्हें दिया। सतही तौर पर, यह एक कूटनीतिक शिष्टता की तरह लग रहा था। लेकिन पंक्तियों और निहितार्थों के बीच पढ़ने पर यह नई दिल्ली के लिए एक झटका है, खासकर मोदी के लिए, जिन्होंने एक विशेष ट्रंप–मोदी मित्रता ब्रंधान की छवि बनाने में महत्वपूर्ण राजनीतिक पूंजी का निवेश किया था।

## आध्यात्मिक व प्रतीकात्मक भव्य अम्बुवासी मेला

# भारतवर्ष के विभिन्न भागों में आयोजित आध्यात्मिक मेले पर श्रद्धालुओं की भीड़भाड़ देखने लायक उमड़ती है

पूर्वोत्तर के असम प्रान्त में गुवाहाटी महानगर के नीलाचल पहाड़ पर मां कामाख्या मंदिर में अम्बुबासी मेला भी उसी भीड़भाड़ का एक ज्वलन्त उदाहरण है । आस्था चमत्कारी अटुट श्रद्धा विश्वास तथा आध्यात्मिक और प्रतीकात्मक रूप में भव्य शक्तिशाली आयोजन में एक अम्बुवासी मेला । इसे

मां कामाख्या के पावनधाम में श्रद्धालु श्रद्धाभाव से प्रतिवर्ष जोरशोर से मनाते है । यह पावनस्थली अम्बुबासी मेले की निर्धारित अवधि तक श्रद्धालुओ की भीड़ में खचाखच

घिर जाती है । इस मेले में अतीतकाल से प्रचलित नियमधर्म को निभाना अनिवार्य है । इसमें मां के श्रद्धालु भक्त, तांत्रिक, साधु संत आदि दरबार में पहुंचते है । मुख्यतः रजस्वला अवधि समापन के पश्चात श्रद्धालओ में मां का दर्शन पाने और रंगोवस्त्र महाप्रसाद ग्रहण करने का तांता लगता है । गौरतलब हो कि यह देवी के मासिक धर्म चक्र को दिव्य घटना के रूप में आयोजित होने वाला मेला है । मां कामाख्या महान शक्तिपीठधाम साक्षात चमत्कारिक शक्ति का विख्यात अनूठा धाम है । इसकी शक्तिशाली लीला की गुणगाथा श्रद्धालुओ में हरदम चर्चित रहती है । ज्ञात रहे कि अम्बुबासी विश्व विख्यात मेले में तब्दील हो गया है । यहाँ पर देश विदेश के श्रद्धालु आम दिन पर निरन्तर आते है जबकि अम्बुबासी मेले में भारी संख्या में पहुंचते है । यह 51 शक्तिपीठों में सबसे विख्यात शक्तिपीठ माना जाता है । माँ कामाख्या अपने सभी भक्तों पर सदैव कृपा बरसाती है । यहाँ श्रद्धालुओं के वारे न्यारे हो जाते है । यहाँ आने और माँ का महाप्रसाद पाने को श्रद्धालु आतुर रहते है व परम् सौभाग्य अनुभव करते है । अम्बुबासी मेले के बारे में कहा जाता है कि पृथ्वी की प्रजनन क्षमता और उर्वरता यानि बरसात का मौसम पृथिवी को उपजाऊ करने हेतु प्रस्तुत करती है । यह एक शक्तिशाली प्रतीक स्वरूप मेला है । पूर्णतः मां कामाख्या देवी के रजस्वलाकाल से जुड़ा एक विशेष उत्सव है। गौरतलब हो कि सम्पूर्ण प्रचलित रीति नीति में मां के दरबार में प्रति वर्ष अनगिनत श्रद्धालुओ की उपस्थिति में आकर्षक भक्तिमयी छटा में सम्पन्न होता है । यहां तीन की अशुद्ध अवधि का विशेष ध्यान रखा जाता है । श्रद्धालु शुभमंगल कार्य वर्जित मानते है । यहाँ श्रद्धालू रजस्वला काल में दैनिक या अन्य कोई भी विशेष पूजा पाठ आदि निषिद्ध रखते है । सार्वजनिक कार्यक्रम या अनुष्ठान, पूजा नही होती है । अम्बुबासी मेले के अंर्तगत बरती जाने वाली सावधानी को श्रद्धालु गम्भीरता से भलीभांति पालन करते आ रहें है । कोई भी चूक न रह जाये सभी श्रद्धालु सावधानी बरतते है । माँ कामाख्या का मासिक धर्म चक्र से जुड़ा मेला प्रतिवर्ष विराट भव्य मेला बनता जा रहा है । यहाँ तीन दिन तक कपाट पूर्णतः बंद रखे जाते है । इस अवधि में गर्भगृह बंद रहता है । रजस्वला अवधि समाप्ति के पश्चात

अनुष्ठानिक स्वच्छता की जाती वहीँ देवताओं का स्नान कराया जाता है । इसके बाद कपाट पुनः खुलते है । यहाँ पर चौथा दिन विशेष खुशी व हर्षोल्लास व चारो तरफ आंनद उमंग की लहर मंदिर के समूचे परिसर में प्रत्यक्ष दिखलाई पड़ती है । श्रद्धालुओ दर्शकों को पुनः मंदिर के भीतर जाने की इजाजत दी जाती है । सबसे खास बात शुद्धि होने के बाद श्रद्धालु दर्शन पाने को उतावले लंबी कतारबद्ध खड़े रहते है । यहाँ का रक्त का वस्त्र महाप्रसाद का वितरण श्रद्धालुओ मे किया जाता है । सुदूर से श्रद्धालुओं का जमघट लगता है ।। यहाँ कपाट खुलने पर सेवक भव्य रूप में पूजा अर्चना करते है विख्यात शक्तिपीठ मासिक धर्म की

वृहत सम्मान पूर्वक पूजा आयेजित

की जाती है । सर्वविदित हो कि इस मेले में तांत्रिक परम्परा में निहित, मेला प्रजजन क्षमता, उत्थान एवं दिव्य महिला के विषयों पर बल देता है । इसे प्रायः वर्जित मानते है । अम्बुबासी मेले में सामाजिक व आध्यात्मिक सन्देश भी रहता है जिसकी लोकप्रियता श्रद्धालुओ में अन्तर्मन में बसी है । इसका प्रमुखता है कि यह उत्सव सृजन व जीवन का सबसे शक्तिशाली दिव्य प्रतीक स्वरूप भी है । कामाख्या के बारे में कहा जाता है यह इकलौता इस पूजा का स्थल है । इस मौके पर श्रद्धालु खुशी से झूम उठते है एवं खास बात मेले की भीड़भाड़ का अंदाजा लगाना बहुत कठिन होता है।

ललित शर्मा असम

# ऑनलाइन ठगी का शिकार हुईं टीवी एक्ट्रेस गार्गी मौशिक पटेल

> मशहूर टीवी और फिल्म एक्ट्रेस गार्गी मौशिक पटेल के साथ ४५००० रुपए की ठगी होने का मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने एक्ट्रेस के घर का सामान जैसे वाशिंग मशीन,ऑडियो रिसीवर/एम्पलीफायर और डिशवॉशर खरीदने के बहाने इस ठगी को अंजाम दिया। वर्ली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, अप्रैल २०२५ में एक्ट्रेस ने अपने फेसबुक अकाउंट पर उनके घर में मौजूद वॉशिंग मशीन बेचने के विज्ञापन डाला था।

शासन प्रशासन द्वारा जागरूकता के बाद भी साइबर क्राइम के मामले कम नहीं हो रहे है। लोग साइबर ठगों के झांसे में आकर मेहनत की कमाई लूटने से बच नहीं पा रहे हैं। आम जनता ही नहीं स्टार्स भी साइबर क्राइम से बच नहीं पा रहे। हाल ही में मुंबई के वर्ली इलाके में मशहूर टीवी और फिल्म एक्ट्रेस गार्गी मौशिक पटेल के साथ 45000 रुपए की ठगी होने का मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने एक्ट्रेस के घर का सामान जैसे वाशिंग मशीन,ऑडियो रिसीवर/एम्पलीफायर और डिशवॉशर खरीदने के बहाने इस ठगी को अंजाम दिया। वर्ली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, अप्रैल 2025 में एक्ट्रेस ने अपने फेसबुक अकाउंट पर उनके घर में मौजूद वॉशिंग मशीन बेचने के विज्ञापन डाला था। इसके बाद एक्ट्रेस कई लोगों ने संपर्क किया और लेन देन की चर्चा के लिए उन्होंने अपना मोबाइल नंबर शेयर कर दिया। 18 अप्रैल को एक शख्स ने एक्ट्रेस से संपर्क किया और वॉशिंग मशीन खरीदने की बात कही। 24 अप्रैल को तरुण नामक इस शख्स ने एक्ट्रेस को फिर से कॉल किया और कहा कि उसका पुरानी इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का खरीद बिक्री का व्यवसाय है। अगर मेरे पास अन्य वस्तुएं हों तो वह उन्हें भी खरीदना चाहता है। इसके बाद एक्ट्रेस ने उसके साथ एक ऑडियो रिसीवर/एम्पलीफायर और एक डिशवॉशर की भी तस्वीरें शेयर कर दी। एक्ट्रेस ने इन सभी के लिए युवक से 40000 रुपए कीमत बताई। इसके बाद युवक ने एक्ट्रेस से पेमेंट करने के लिए अकाउंट नंबर मांगा जिसे उसने शेयर कर दिया। इसके बाद युवक ने एक्ट्रेस के खाते में 35000 रुपये भेज दिए जबकि बचे 5000 रुपये को जल्द भेजने की बात कही। इसके बाद एक्ट्रेस को फिर एक मैसेज आया। उसको देखने से पहले युवक ने एक्ट्रेस को कॉल किया और कहा कि उसने गलती से 5,000 की जगह की 50,000 भेज दिया है। युवक ने एक्ट्रेस से पैसे वापस करने को कहा और उसके दिए बैंक खाते में अपने और अपने पति के बैंक खाते से 45000 रुपए ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद युवक ने अलग अलग तरीकों से एक्ट्रेस को पैसे वापस भेजने की बात कहकर टालमटोल करता रहा। जब उसने कॉल उठाना बंद कर दिया तो एक्ट्रेस को ठगी होने के एहसास हुआ जिसके बाद उसने वर्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

## तमन्ना भाटिया से ब्रेकअप के बाद विजय वर्मा की लाइफ में प्यार की एंट्री! आमिर खान की एक्स रयूमर्ड गर्लफ्रेंड पर आया दिल

डार्लिंग्स फेम विजय वर्मा इस वक्त बॉलीवुड के सबसे चर्चित बैचलर्स में से एक हैं। जहां एक ओर उनकी शानदार एक्टिंग की खूब तारीफ होती है। वहीं उनकी पर्सनल लाइफ हमेशा सुर्खियों में रही है। कुछ समय पहले विजय तमन्ना भाटिया के साथ रिलेशनशिप में थे, और दोनों को कई बार साथ देखा भी गया था हालांकि अब रिपोर्ट्स के अनुसार, विजय और तमन्ना का ब्रेकअप हो चुका है। अब विजय वर्मा एक बार फिर चर्चा में हैं। खबरें हैं कि विजय वर्मा को एक बार फिर प्यार मिल गया है। उनका नाम एक्ट्रेस फातिम सना शेख के साथ जोड़ा जा रहा है। दरअसल, हाल ही में विजय और फातिमा को साथ में एक कैफे में देखा गया था।इसके बाद से उनके अफेयर की खबरों से अफवाहों का बाजार गर्म हो गया। विजय और फातिमा ने अभी तक डेटिंग की खबरों पर ऑफिशियली रिएक्ट नहीं किया। बता दें कि विजय और फातिमा फिल्म गुस्ताख इश्क में साथ काम कर रहे हैं। दोनों की फिल्म का पोस्टर भी रिलीज हो गया है। विजय और तमन्ना की बात करें तो वो लस्ट स्टोरी 2 के सेट पर मिले थे। इस सीरीज में दोनों ने बोल्ड सीन्स दिए थे। मार्च 2025 में उनके ब्रेकअप की खबरें आई थीं। दोनों के ब्रेकअप का कारण अभी तक सामने नहीं आया है। वहीं फातिमा सना शेख ने दंगल जैसी फिल्में की हैं। उनका नाम आमिर खान के साथ भी जुड़ा था।

## आमिर खान स्टारर 'सितारे जमीन पर' ने किया बढ़िया कलेक्शन, छापे इतने करोड़

आमिर खान की सितारे जमीन पर ने पहले सोमवार को 8.5 करोड़ रुपए की कमाई की है। कमाई का आंकड़ा तो अच्छा है ही, लेकिन सबसे बड़ी बात ये है कि फिल्म ने जितनी उम्मीद थी, उससे ज्यादा अच्छा किया है। रिलीज से पहले कई ट्रेड एक्सपर्ट और सिनेप्रेमियों ने अंदाजा लगाया था कि फिल्म की ओपनिंग डे कमाई करीब 8.5 करोड़ रहेगी। लेकिन फिल्म ने वीकेंड पर उम्मीद से बढ़कर प्रदर्शन किया और अब जब सोमवार आया, जो आमतौर पर कमाई में गिरावट वाला दिन होता है, तब भी इसने अपनी पकड़ मजबूती से बनाए रखी है। सोमवार की कमाई शुक्रवार के मुकाबले 20: से भी कम गिरी है, जो ये दिखाता है कि फिल्म को पॉजिटिव माउथ–ऑफ–वर्ड मिला है और दर्शक इससे जुड़ रहे हैं। जहां आमतौर पर फिल्मों की कमाई सोमवार को आधी या उससे भी कम हो जाती है, वहां शसितारे जमीन परश का ऐसा प्रदर्शन मेकर्स के लिए बड़ी जीत की तरह है। फिल्म की दमदार कहानी और 10 नए एक्टर्स की शानदार परफॉर्मेंस इसकी लगातार चलती कामयाबी की बड़ी वजह मानी जा रही है। आमिर खान प्रोडक्शंस गर्व के साथ पेश करता है 10 राइजिंग सितारे अरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभजैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर। आर. एस. प्रसन्ना द्वारा निर्देशित, जिन्होंने पहले बैरियर तोड़ने वाली ब्लॉकबस्टर शुभ मंगल सावधान बनाई थी, अब आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ सितारे जमीन पर में सबसे बड़े कोलैबरेशन के साथ वापसी कर रहे हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी सितारे जमीन पर में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म के गाने अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और म्यूजिक शंकर–एहसान–लॉय ने दिया है। इसका स्क्रीनप्ले दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है। इस फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने रवि भागचंदका के साथ प्रोड्यूस किया है। आर. एस. प्रसन्ना के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

## मियामी में अकेली नहीं रयूमर्ड बॉयफ्रेंड संग वेकेशन एंजॉय कर रही हैं अनन्या पांडे

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे इन दिनों फिल्म तू मेरी, मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग में बिजी हैं। वहीं अब अनन्या पांडे क्रोएशिया शूट शेड्यूल को पूरा करने के बाद मायामी में वेकेशन मना रही हैं। वेकेशन से अनन्या सोशल मीडिया पर लगातार खूबसूरत और दिलचस्प तस्वीरें शेयर कर रही हैं लेकिन फैन्स को शक है कि वो शायद अकेली नहीं हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि अनन्या रूमर्ड बॉयफ्रेंड वॉकर ब्लैंको संग वेकेशन एंजॉय कर रही हैं। वॉकर मायामी में ही रहते हैं और पेशे से एनिमल हैंडलर और पूर्व मॉडल हैं। अनन्या की हालिया फोटो डंप में वो बेबी मंकी, रैकून को खाना खिलाती और कुत्तों के साथ टहलती नजर आईं। वहीं उनकी पुरानी पोस्ट्स में ऐसे बर्ड्स और जानवर भी दिखे जो अक्सर वॉकर की फीड पर देखे जाते हैं। एक तस्वीर में अनन्या किसी शख्स की ओर झुकती हुई दिखाई देती हैं पर उसका चेहरा नहीं दिखतकेवल कंधा नजर आता है। इसी वजह से फॉलोअर्स कयास लगा रहे हैं कि ये व्यक्ति शायद वॉकर ब्लैंको ही हैं। अनन्या ने इस फोटो डंप के साथ लिखा ल्मी, इमेज कंल मअमतष बता दें कि अनन्या फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी वो एक बार फिर कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी। फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है, जो अगले साल रिलीज होने वाली है।

## मेट्रो इन दिनों म्यूजिक लॉन्च में नहीं पहुंचे अरिजीत सिंह, वीडियो कश्वल पर मांगी माफी, वीडियो वायरल

बॉलीवुड के मशहूर सिंगर अरिजीत सिंह अपनी मधुर आवाज को लेकर दुनियाभर में छाए रहते हैं। वह अपने गानों से फैंस के दिलों को छू लेते हैं। हाल ही में फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' के म्यूजिक लॉन्च इवेंट में कुछ ऐसा हुआ, जिसने अरिजीत के चाहने वालों का एक बार फिर दिल जीत लिया। इसके बाद सिंगर फिर से सुर्खियों में आ गए हैं। सोमवार को 'मेट्रो इन दिनों' फिल्म के म्यूजिक एल्बम का लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया, जिसमें म्यूजिक इंडस्ट्री की कई जानी–मानी हस्तियां मौजूद थीं। इस फिल्म में अरिजीत सिंह की आवाज में दो खूबसूरत गाने शामिल हैं, जो इन दिनों सोशल मीडिया पर जमकर ट्रेंड कर रहे हैं। हालांकि, अरिजीत खुद इस इवेंट में शरीक नहीं हो पाए। अरिजीत की गैरहाजिरी को देखते हुए, म्यूजिक कंपोजर प्रीतम ने उन्हें इवेंट के दौरान ही वीडियो कॉल किया। इस कॉल के जरिए अरिजीत को फैंस और मीडिया से रूबरू कराया गया। वीडियो कॉल पर जैसे ही अरिजीत नजर आए, उन्होंने मुस्कुराते हुए फैंस से माफी मांगी कि वह निजी कारणों के चलते इस इवेंट का हिस्सा नहीं बन सके।

वीडियो में अरिजीत सिंह बेहद विनम्र अंदाज में फैंस से कहते हैं कि वह वहां नहीं आ पाए इसके लिए वह दिल से माफी चाहते हैं। इस दौरान फैंस भी वीडियो कॉल के जरिए अपनी पसंदीदा आवाज को सुनकर काफी उत्साहित नजर आए। इवेंट के दौरान प्रीतम ने मजाक में कहा कि अब अगला गाना अरिजीत ही गाएंगे। शुरुआत में अरिजीत थोड़े झिझकते हैं, लेकिन फिर वो वीडियो कॉल पर ही एक खूबसूरत गाना गा देते हैं। उनकी आवाज सुनकर पूरे हॉल में तालियों की गूंज सुनाई देती है और फैंस खुश हो जाते हैं।

> फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' के म्यूजिक लॉन्च इवेंट में कुछ ऐसा हुआ, जिसने अरिजीत के चाहने वालों का एक बार फिर दिल जीत लिया। इसके बाद सिंगर फिर से सुर्खियों में आ गए हैं। सोमवार को 'मेट्रो इन दिनों' फिल्म के म्यूजिक एल्बम का लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया, जिसमें म्यूजिक इंडस्ट्री की कई जानी-मानी हस्तियां मौजूद थीं।

## उठने बैठने के तरीके से पता चल जाएगा कितने साल जीने वालें है आप

एक परीक्षण से पता चलता है कि कोई व्यक्ति कितनी आसानी से फर्श पर बैठता है और उठता है, वह मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोगों में मृत्यु के जोखिम की भविष्यवाणी कर सकता है। एक अध्ययन के अनुसार श्बैठने–उठने का परीक्षण– मांसपेशियों की ताकत, लचीलेपन, संतुलन और शरीर की संरचना का एक गैर–एरोबिक फिटनेस आकलन–स्वस्थ और अस्वस्थ व्यक्तियों की नियमित जांच में प्रासंगिक नैदानिक और भविष्य कहनेवाला जानकारी जोड़ सकता है।

4,300 लोगों की हुई जांच

ब्राजील के एक्सरसाइज मेडिसिन क्लिनिक–क्लिनीमेक्स के शोधकर्ताओं सहित टीम ने 46–75 वर्ष की आयु के लगभग 4,300 वयस्कों को शून्य से पांच तक स्कोर किया, जिन्होंने परीक्षण किया–प्रत्येक बार हाथ या घुटने का सहारा लेने पर पांच में से एक अंक काटा गया, और आंदोलनों में अस्थिरता के लिए 0.5 अंक काटा गया। जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि कम एस.आर.टी. (सिटिंग–राइजिंग टेस्ट) स्कोर के साथ उच्च मृत्यु दर की निरंतर प्रवृत्तिष पाई गई। सबसे कम स्कोर वाले लोगों की मृत्यु दर 42 प्रतिशत पाई गई, और सबसे अधिक सिटिंग–राइजिंग स्कोर वाले लोगों की मृत्यु दर 3.7 प्रतिशत पाई गई।

46–75 वर्ष की आयु के लोगों की जांची गई फिटनेस

दोनों समूहों की तुलना करने पर, सबसे कम स्कोर वाले समूह में प्राकृतिक कारणों से मृत्यु की संभावना लगभग 300 प्रतिशत अधिक और हृदय संबंधी कारणों से मृत्यु की संभावना 500 प्रतिशत अधिक पाई गई। लेखकों ने लिखा–एस.आर.टी. (सिटिंग–राइजिंग टेस्ट) द्वारा मूल्यांकन की गई गैर–एरोबिक शारीरिक फिटनेस, 46–75 वर्षीय प्रतिभागियों में प्राकृतिक और (हृदय संबंधी) मृत्यु दर का एक महत्वपूर्ण भविष्यवक्ता थी। उन्होंने कहा– जिन लोगों का (परीक्षण) स्कोर 10 था, उनके लिए मृत्यु दर 3.7 प्रतिशत थी, 8 स्कोर के साथ 11.1 प्रतिशत के लिए तीन गुना और सबसे कम स्कोर (0–4) वाले 10 प्रतिशत प्रतिभागियों में नाटकीय रूप से 42.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। शोधकर्ताओं ने कहा कि जबकि अध्ययनों ने स्वास्थ्य परिणामों की भविष्यवाणी करने के लिए गैर–एरोबिक फिटनेस को मापा है, आमतौर पर एक घटक का अलग से परीक्षण किया जाता है या गैर–एरोबिक फिटनेस के मुख्य घटकों का आकलन करने के लिए कई परीक्षणों का उपयोग किया जाता है।

बैठने–उठने का परीक्षण भी जरूरी

इसके अलावा, इनमें से कुछ परीक्षणों ने ऐसी स्थितियों को दर्शाया जो रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा नहीं हैं, जिसमें पांच बार या 30 सेकंड तक बैठना और खड़ा होना (जितनी जल्दी हो सके) या 80 बीट्स प्रति मिनट पर सेट किए गए मेट्रोनोम के साथ अधिकतम पुश–अप करना शामिल है। लेखकों ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में, बैठने–उठने के परीक्षण को समाज के विभिन्न वर्गों – बच्चों, किशोरों और वयस्कों में विभिन्न सेटिंग्स में लागू किया गया है–और संभवतः यह अपने सभी घटकों का एक साथ आकलन करने के लिए सबसे सरल, सबसे पूर्ण गैर–एरोबिक फिटनेस उपकरण है।

## गर्मियों में अंडा खाना चाहिए या नहीं ? जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

अंडा तो हर किसी का फेवरेट होता है, फिर चाहे वह बड़ा हो या कोई बच्चा। अंडे को आप कई तरीकों से खा सकते हैं और यह हर तरह से ही स्वादिष्ट भी लगता है। टेस्टी होने के साथ–साथ अंडे में बहुत से पौष्टिक तत्व भी होते हैं जो हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। मगर कई लोगों को इस बात की कन्फ्यूजन होती है कि अंडा हमें गर्मियों में खाना चाहिए के नहीं? दरअसल, लोगों का मानना होता है कि अंडा खाने से शरीर में हीट यानी गर्माहट पैदा हो जाती है, जो गर्मियों में सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती है। ऐसे में आज हम आपके इसी सवाल का जवाब लेकर आए हैं।

तो चलिए जानते हैं –

गर्मी में अंडा खा सकते हैं?

आपो जानकारी के लिए बता दें कि हर मौसम में अंडे का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है। गर्मियों में लोग रोज एक या दो अंडे का सेवन कर सकते हैं। वैसे भी मौसम कोई भी क्यों न हो? हद से ज्यादा अंडे का सेवन नहीं करना चाहिए, वरना शरीर को नुकसान हो सकता है। अंडे को बॉयल करके खाना फायदेमंद होता है और इसके अलावा आप चाहे तो ऑमलेट बनाकर भी खा सकते हैं।

गर्मी में अंडा खाते हुए बस इन बातों का रखें ध्यान

–गर्मियों में अंडे को नाश्ते में शामिल करें। इसमें मौजूद प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व दिनभर के लिए एनर्जी देते हैं और अच्छे से पच भी जाते हैं।

– अंडे के अंदर के पीले भाग में कोलेस्ट्रॉल पाया जाता है। कई लोग इसे खाने से डरते है कि इसकी वजह से हार्ट डिजीज हो सकता है। लेकिन सच तो यह है कि रोजाना एक एग योक को खाने से किसी तरह की हार्ट की समस्या नहीं होती है, अगर आप पहले से ही कोलेस्ट्रॉल के मरीज है तो ऐसे लोगों को एग योक से परहेज करना चाहिए।

– गर्मी हर दिन एक या 2 अंडे खा सकते हैं। अंडे को बॉयल या ऑमलेट करके खा सकते हैं।

– कीमोथैरेपी के बाद मरीज को रोजाना डाइट में 90 से 100 ग्राम प्रोटीन चाहिए। ऐसे मरीजों को रोजाना चार से पांच अंडे रोजाना खाने चाहिए।

एक्सपर्ट ने क्या कहा ?

एक्सपर्ट का कहना है कि अंडे का मौसम से कोई संबंध नहीं है। अंडे में मौजूद उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन मसल्स बनाने में भी बहुत फायदेमंद होता है। जिम जाने वाले लोग चाहे तो एग यॉक निकाल कर एग खा सकते है। क्योंकि एग यॉक में फैट कन्टेंट ज्यादा होता है, इसलिए वह सफेद हिस्सा खा सकते हैं तो उससे फैट नहीं बढ़ेगा।

## आईआरसीटीसी के इस शानदार टूर पैकेज के साथ करें नॉर्थ ईस्ट के खूबसूरत ठिकानों का दीदार

अगर आप भी अपनी फैमिली के साथ घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आईआरसीटीसी के इस शानदार पैकेज का लाभ उठा सकते हैं। बता दें कि हाल ही में आईआरसीटीसी ने एक टूर पैकेज लॉन्च किया है। जून–जुलाई की चिलचिलाती गर्मी से हर कोई परेशान है। ऐसे में गर्मी से राहत पाने के लिए लोग किसी ठंडी व खूबसूरत जगह पर जाने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में अगर आप भी इस गर्मी किसी जगह घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो नार्थ ईस्ट इसके लिए बेहद मुफीद जगह है। बता दें कि नार्थ ईस्ट के पास कई ऐसे ठिकाने हैं, जो आपके सफर को यादगार बना देगी। जून में बच्चों की छुट्टियां होती हैं, ऐसे में आप फैमिली के साथ ट्रिप प्लान कर सकते हैं। अगर आप भी अपनी फैमिली के साथ घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आईआरसीटीसी के इस शानदार पैकेज का लाभ उठा सकते हैं। बता दें कि हाल ही में आईआरसीटीसी ने एक टूर पैकेज लॉन्च किया है। जिसमें आपको नार्थ ईस्ट घूमने का मौका मिलेगा। तो आइए जानते हैं इस पैकेज से जुड़ी सभी जरूरी डिटेल्स के बारे में...

पैकेज का नाम–स्पेन्डर्स आफ नार्थ ईस्ट एक्स बेंगलुरू

पैकेज की अवधि– 6 रात और 7 दिन

ट्रैवल मोड– फ्लाइट

डेस्टिनेशन कवर्ड– दार्जिलिंग, गंगटोक, कलिम्पोंग

कब कर सकेंगे यात्रा– 10 जून 2024

मिलेंगी ऐसी सुविधाएं

इस यात्रा का लाभ लेने वाले पर्यटक को फ्लाइट की इकोनॉमी क्लास की टिकट मिलेगी।

स्टे के लिए होटल की सुविधा मिलेगी।

साथ ही टूर पैकेज में ब्रेकफास्ट और डिनर की सुविधा भी मिलेगी।

इस टूर पैकेज में ट्रैवल इंश्योरेंस भी शामिल है।

शुल्क

अगर आप अकेले इस ट्रिप पर जाना चाहते हैं, तो आपको 61,540 रुपए का भुगतान करना होगा।

वहीं दो लोगों को इस ट्रिप के लिए 49,620 रुपए प्रति व्यक्ति भुगतान करना होगा।

तीन लोगों को इस ट्रिप के लिए 48,260 रुपए का भुगतान करना होगा।

साथ ही बच्चों के लिए अलग से शुल्क का भुगतान देना होगा। बेड के साथ (5–11 साल) 42,010 और बिना बेड के 33,480 रुपए देने होंगे।

आईआरसीटीसी ने दी जानकारी

आईआरसीटीसी ने इस टूर पैकेज के बारे में जानकारी देते हुए ट्वीट किया है कि यदि आप नार्थ ईस्ट के मनमोहक नजारों का दीदार करना चाहते हैं। तो आईआरसीटीसी के इस शानदार टूर पैकेज का लाभ ले सकते हैं। आईआरसीटीसी की ऑफिशियल वेबसाइट के जरिए आप इस टूर पैकेज के लिए बुकिंग कर सकते हैं। इसके अलावा अंचल कार्यालयों, आईआरसीटीसी पर्यटक सुविधा केंद्र और क्षेत्रीय कार्यालयों के जरिए भी बुकिंग कर सकते हैं। वहीं अधिक जानकारी के लिए प्ब्ज्ब् की ऑफिशियल वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।

## सेहत संबंधी कई चीजों के लिए फायदेमंद है इलायची, डाइट में करें शामिल

***इलायची में खनिज, एंटी–इंफ्लेमेटरी, एंटीअश्वक्सीडेंट, विटामिन और रोगाणुरोधी गुण पाया जाता है। जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। इसके सेवन से कई बीमारियों से बचाव होता है और इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।***

हर भारतीय किचन में आपको तमाम मसाले मिल जाएंगे। यह मसाले न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाते हैं, बल्कि यह औषधीय गुणों से भी भरपूर रहते हैं। इन्हीं मसालों में से एक इलायची है। जो न सिर्फ मीठे बल्कि नमकीन व्यंजनों का भी स्वाद बढ़ाती है। स्वाद के साथ–साथ यह खुशबू के लिए भी जानी जाती है। बता दें कि इलायची सेहत के लिए भी काफी लाभकारी है। ऐसे में आपको इसे अपनी डाइट का हिस्सा बनाना चाहिए।

सेहत के लिए लाभकारी

बता दें कि इलायची में खनिज, एंटी–इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और रोगाणुरोधी गुण पाया जाता है। जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। इसके सेवन से कई बीमारियों से बचाव होता है और इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।

दिल का ख्याल

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक इलायची कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के लेवल में सुधार करने का काम करती है। इसके सेवन से दिल के दौरे का खतरा कम होता है। इलायची में एंटीऑक्सीडेंट गुण पाया जाता है, जो हृदय की कार्यक्षमता को बढ़ाने में सहायता करता है।

ओरल हेल्थ के लिए है फायदेमंद

इलायची को चबाने से मुंह की दुर्गंध दूर होती है। इसको खाने से सांसे तरोताजा रहती है। इलायची में सिनेओल नामक एक तेल पाया जाता है। जो सांसों की दुर्गंध को दूर करने के साथ ही कैविटी और मसूड़ों संबंधी समस्या पैदा करने वाली बैक्टीरिया रोकने में सहायक होता है। इलायची को खाने से कैविटी को रोका जा सकता है। इलायची ओरल हेल्थ को भी बेहतर बनाता है।

लिवर के लिए लाभकारी

कई रिसर्चों से पता चलता है कि इलायची के सेवन से लिवर का तनाव कम होता है। वहीं अधिक फैट वाले आहार के नुकसान से भी बचाती है। लिवर का ध्यान रखने के लिए इलायची को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना चाहिए। बता दें कि यह पेट संबंधी कई बीमारियों को रोकने में सहायक होती है।

## संक्षिप्त

### बैंकों को अपनी ग्राहक सेवा में और सुधार करने की जरूरत, डीएफएस सचिव ने दी नसीहत

नई दिल्ली। देश के बैंक अधिक स्थिर और स्वस्थ हैं, लेकिन ग्राहक सेवा के मामले में और सुधार की गुंजाइश है। वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू बुधवार को यह बात कही। उन्होंने बुधवार को पंजाब एंड सिंध बैंक के 118वें स्थापना दिवस पर कहा, आज बैंक अधिक स्थिर और स्वस्थ हैं। यद्यपि सभी स्तरों पर अच्छी ग्राहक सेवा प्रदान की जा रही है, फिर भी प्रत्येक ग्राहक के चेहरे पर वास्तविक मुस्कान लाने के लिए सुधार की अब भी गुंजाइश है। इस अवसर पर बैंक ने बेहतर ग्राहक अनुभव और निर्बाध डिजिटल सेवाएं प्रदान करने के लिए नई और स्मार्ट शाखाओं की एक शृंखला शुरू की। पंजाब एंड सिंध बैंक ने एक बयान में कहा कि बैंक ने चंडीगढ़ में अपने ब।। बैक ऑफिस का भी वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया, जो परिचालन को सव्यवस्थित करने और ग्राहक सेवा वितरण को और मजबूत करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। इसके अतिरिक्त, बैंक ने एमएसएमई ग्राहकों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए नकदी प्रवाह–आधारित डिजिटल ऋण उत्पादों को लॉन्च किया, जिससे देश के छोटे व्यवसायों के लिए उसका समर्थन मजबूत हुआ। पंजाब एंड सिंध बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्वरूप कुमार साहा ने कहा, ये पहल ग्राहक–केंद्रितता, डिजिटल परिवर्तन और सामाजिक जिम्मेदारी पर हमारे फोकस को दर्शाती हैं। हमें लाखों ग्राहकों की सेवा करने पर गर्व है और हम एक मजबूत, भविष्य के लिए तैयार बैंक बनाने के लिए समर्पित हैं। अपने स्थापना दिवस के अवसर पर, बैंक ने ग्राहक अधिग्रहण के लिए चुनिंदा शाखाओं में ज।ठ बैंकिंग की शुरुआत करने, ग्राहक संबंध प्रबंधन क्षमताओं के साथ एक नया कॉल सेंटर शुरू करने और छात्रों, किसानों और परिवार के सदस्यों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए नए देयता उत्पादों की घोषणा की।

### रुपया शुरुआती कारोबार में 13 पैसे की बढ़त के साथ 85.92 प्रति डश्वलर पर

इजराइल और ईरान के बीच तनाव समाप्त होने की उम्मीद तथा घरेलू शेयर बाजारों की मजबूत शुरुआत के बीच रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 13 पैसे की बढ़त के साथ 85. 92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और विदेशी पूंजी की निकासी ने हालांकि स्थानीय मुद्रा के लाभ को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.00 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 85.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 13 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया मंगलवार को करीब पांच साल में सबसे अधिक एकल दिवसीय बढ़त दर्ज करते हुए 73 पैसे चढ़कर 86.05 पर बंद हुआ था। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 1. 30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 68.01 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 97.91 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 426.79 अंक चढ़कर 82,481.90 अंक पर पहुंच गया जबकि निफ्टी 123.25 अंक की बढ़त के साथ 25,167.60 अंक पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 5,266. 01 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

### सेंसेक्स, निफ्टी में शुरुआती कारोबार में तेजी

ईरान और इजराइल के बीच युद्ध विराम के बाद पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेतों के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को शुरुआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 426.79 अंक चढ़कर 82,481.90 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 123.25 अंक की बढ़त के साथ 25,167. 60 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टाइटन, एचसीएल टेक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर और टाटा स्टील के शेयर सबसे ज्यादा लाभ में रहे। कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट फायदे में रहे जबकि जापान का निक्की 225 में मामूली गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी बाजार मंगलवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 68.01 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 5,266.01 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,209.60 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

### जियो में निवेश करना जीवन का सबसे बड़ा जोखिम था, मुकेश अंबानी ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने मैकिन्से एंड कंपनी को दिए एक विशेष साक्षात्कार में खुलकर बताया कि किस तरह जियो में निवेश करना उनके जीवन का सबसे बड़ा जोखिम था। उन्होंने कहा कि विश्लेषकों ने इस पर संदेह जताया था कि क्या भारत आवश्यक डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए तैयार है। फिर भी यह निर्णय रिलायंस इंडस्ट्रीज के परोपकारी सोच को ध्यान में रखते हुए लिया गया। इसका उद्देश्य भारत के डिजिटल परिवर्तन में योगदान देना है। अंबानी ने बताया कि मैंने बोर्ड से कहा कि सबसे बुरे हालात में भी अगर हमें वित्तीय लाभ नहीं हुआ, तो भी ठीक है, क्योंकि ये पैसा हमारा खुद का है। लेकिन इस प्रक्रिया में हमने अगर भारत को डिजिटाइज कर दिया, तो ये हमारा सबसे बड़ा परोपकारी कार्य होगा। अंबानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के भविष्य पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि रिलायंस के लिए अब बदलाव यह है कि हम एक डीप–टेक और उन्नत विनिर्माण कंपनी बनने जा रहे हैं। हमने टेलीकॉम से शुरुआत की। 2021 में हमने 5जी लॉन्च किया। इसका पूरा सिस्टम कोर, हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर सब खुद बनाया।

# भारत की हार की 5 बड़ी वजह

## बुमराह असफल तो गेंदबाजी कमजोर, पुछल्ले बल्लेबाज, कैच छोड़ना पड़ा भारी

लीड्स। भारत को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस हार से मेजबान टीम ने टीम इंडिया पर पांच मैचों की सीरीज में 1–0 से बढ़त बना ली है। दूसरा टेस्ट दो जुलाई से बर्मिंघम में शुरू होगा। पहले और दूसरे टेस्ट में लंबा ब्रेक है और उससे पहले टीम इंडिया को गलतियां सुधारने का पूरा मौका मिलेगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम से काफी गलतियां हुईं। कई कैच छूटे और पुछल्ले बल्लेबाजों के रन नहीं बनाने से लक्ष्य भी कम रह गया। गेंदबाजी भी औसत हुई। जसप्रीत बुमराह नहीं चले तो बाकी गेंदबाज प्रभावी नहीं दिखे। आइए जानते हैं लीड्स टेस्ट में टीम इंडिया की हार की पांच बड़ी वजह...

1. दोनों पारियों में भारत के पुछल्ले बल्लेबाज रहे फेल

लीड्स में भारत के शीर्ष पांच बल्लेबाजों ने मिलकर 721 रन बनाए। वहीं, निचले क्रम के छह बल्लेबाज मिलकर कुल 65 रन ही बना सके। शीर्ष पांच और निचले छह के रनों में 656 रन का अंतर है। यह भारत द्वारा अब तक खेले गए टेस्ट मैचों में सबसे ज्यादा अंतर है। भारतीय टीम ने पहली पारी में आखिरी सात विकेट 41 रन पर गंवा दिए थे, जबकि दूसरी पारी में भारतीय टीम ने आखिरी छह विकेट 31 रन पर गंवा दिए। पुछल्ले बल्लेबाजों के नहीं चलने से टीम इंडिया, जो एक वक्त पहली पारी में 520+ रन बनाती दिख रही थी, वह 471 रन पर सिमट गई। वहीं, दूसरी पारी में भी लक्ष्य 400+ रन का हो सकता था, लेकिन पुछल्ले बल्लेबाज विफल रहे और भारतीय टीम कुछ रन कम रह गई।

2. कैच छोड़ना, इसने जले पर नमक छिड़का

भारतीय टीम की फील्डिंग इस मैच में लचर रही। भारतीय खिलाड़ियों ने दोनों पारियों में कई कैच छोड़े। यशस्वी जायसवाल ने अहम मौकों पर कैच छोड़े। उनसे चार कैच छूटे। इसका अंजाम भारत को हार से चुकाना पड़ा। फील्डिंग को लेकर कई पूर्व क्रिकेटर्स भी टीम इंडिया की आलोचना कर रहे हैं। सुनील गावस्कर से लेकर नवजोत सिद्धू तक ने इसे निचले दर्जे का बताया है। भारतीय टीम को अगर वापसी करनी है, तो फील्डिंग में सुधार करना होगा। भारतीय फील्डर्स ने बेन डकेट, हैरी ब्रूक और क्राउली को कई जीवनदान दिए। दूसरी पारी में जब डकेट 97 रन बनाकर खेल रहे थे तो सिराज की गेंद पर यशस्वी ने एक आसान कैच छोड़ा और डकेट ने भरपूर फायदा उठाते हुए इंग्लैंड की जीत की नींव रखी। इसके अलावा जडेजा और पंत से भी कैच छूटे।

3. बुमराह नहीं चले तो औसत दिखी गेंदबाजी

बुमराह ने पहली पारी में पांच विकेट लिए। उनकी घातक गेंदबाजी ने इंग्लैंड को 465 रन पर समेट दिया और टीम इंडिया को दूसरी पारी में छह रन की बढ़त मिली। हालांकि, दूसरी पारी में बुमराह ने 19 ओवर गेंदबाजी की और 57 रन खर्च किए, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। इंग्लैंड के बल्लेबाजों की रणनीति बुमराह को संभलकर खेलने की और बाकी गेंदबाजों पर प्रहार करने की थी और वह इसमें कामयाब भी हुए। बुमराह दूसरी पारी में नहीं चले तो टीम इंडिया की गेंदबाजी औसत दिखी और बाकी गेंदबाज सिर्फ पांच विकेट निकालने में कामयाब हो पाए। यह इसलिए भी खतरनाक है क्योंकि बुमराह इस दौरे पर अधिकतम तीन टेस्ट खेलेंगे। उनके बिना टीम इंडिया को दो और टेस्ट खेलने होंगे। उनके नहीं होने पर कौन उनके जैसा प्रदर्शन कर पाएगा यह देखना अभी बाकी है। बुमराह के अलावा सिराज ने दोनों पारियां मिलाकर 41 ओवर गेंदबाजी की और सिर्फ दो विकेट लिए और वो भी उन्हें पहली पारी में मिले। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा ने भले ही विकेट चटकाए, लेकिन वह काफी महंगे साबित हुए। पहली पारी में प्रसिद्ध ने तीन और दूसरी पारी में दो विकेट लिए, लेकिन दोनों पारियों में उनका इकोनॉमी रेट 6 से ऊपर का रहा। शार्दुल दोनों पारियां मिलाकर दो विकेट ले पाए। पहली पारी में उनका इकोनॉमी रेट 6.30 का रहा था, जबकि दूसरी पारी में 5.10 का रहा। जडेजा दोनों पारियों में इकोनॉमिकल रहे, लेकिन उन्हें सिर्फ एक विकेट मिला।

4. मिले मौके को नहीं भुना पाए करुण और सुदर्शन

करुण को आठ साल बाद भारतीय टीम के लिए खेलने का मौका मिला, लेकिन वह इस मौके को नहीं भुना पाए। इस टेस्ट से पहले उन्होंने इंडिया–ए के लिए दोहरा शतक जड़ा था। साथ ही घरेलू क्रिकेट में भी खूब रन बनाए थे, लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का दबाव उनके चेहरे पर साफ दिखा। पहली पारी में वह दबाव में गलत शॉट खेलकर आउट हुए, जबकि उसकी कोई जरूरत नहीं थी, वहीं दूसरी पारी में वह वोक्स को उनकी ही गेंद पर कैच थमा बैठे। करुण पहली पारी में खाता नहीं खोल सके थे, जबकि दूसरी पारी में 20 रन बना सके। वहीं, सुदर्शन के साथ भी कुछ ऐसा ही रहा। यह बल्लेबाज घरेलू क्रिकेट में खूब रन बनाकर आया, लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का दबाव क्या होता है, यह सुदर्शन को अब पता चला होगा। तीन नंबर की जिम्मेदारी उन्हें मिली, लेकिन वह 0 और 30 रन ही बना सके। इन दोनों के नहीं चलने से भारत बड़ा स्कोर नहीं बना सका।

5. छठे गेंदबाज की कमी खली

भारतीय टीम इस टेस्ट में छह विशेषज्ञ बल्लेबाजों के साथ उतरा। टीम में जडेजा और शार्दुल के रूप में दो गेंदबाजी ऑलराउंडर्स थे। वहीं, तीन विशेषज्ञ तेज गेंदबाज भी थे। हालांकि, बुमराह को छोड़कर जब बाकी गेंदबाजों को मार पड़ी तो उस वक्त भारत के पास कोई एक्स्ट्रा गेंदबाज नहीं था और इसकी कमी टीम इंडिया को खली। वहीं, इंग्लैंड के पास पांच गेंदबाजों के अलावा रूट, ब्रूक और डकेट भी पार्ट टाइम गेंदबाजी कर लेते हैं।

# कप्तान शुभमन ने पंत समेत इन खिलाड़ियों पर फोड़ा हार का ठीकरा, जडेजा और बाकी गेंदबाजों की तारीफ की

लीड्स। भारत को लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में इंग्लैंड से पांच विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी। 371 रन के लक्ष्य को इंग्लिश टीम बेन डकेट के शतक और जैक क्राउली और जो रूट के अर्धशतक के दम पर पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। मैच के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने हार का ठीकरा अपने खिलाड़ियों पर फोड़ा। पहले तो गिल ने अपने खिलाड़ियों की तारीफ की, लेकिन जैसे–जैसे आगे उनसे सवाल पूछे गए, वह गलतियां गिनाते गए। भारतीय कप्तान ने ऋषभ पंत समेत कैच छोड़ने वाले खिलाड़ियों को लपेटे में लिया। हालांकि, उन्होंने अपने गेंदबाजों की तारीफ की। उन्होंने रवींद्र जडेजा की सबसे ज्यादा तारीफ की। मैच के बाद प्रजेंटेशन सेरेमनी में गिल ने कहा, श्मुझे लगता है कि यह शानदार टेस्ट मैच था। हमारे पास मौके थे, हमने कैच छोड़े और हमारे निचले क्रम ने पर्याप्त योगदान नहीं दिया, लेकिन टीम पर गर्व है और कुल मिलाकर एक अच्छा प्रयास है। चौथे दिन हम सोच रहे थे कि हम लगभग 430 प्राप्त करने जा रहे हैं और पारी की घोषणा करेंगे। दुर्भाग्य से हमारे आखिरी छह विकेट केवल 20–25 रन के आसपास गिर गए, जो कभी भी अच्छा संकेत नहीं है। इंग्लैंड को जब दूसरी पारी में अच्छी ओपनिंग मिली, तब भी मुझे लगा कि हमारे पास मौका है, लेकिन इस मैच का नतीजा हमारे पक्ष में नहीं गया।

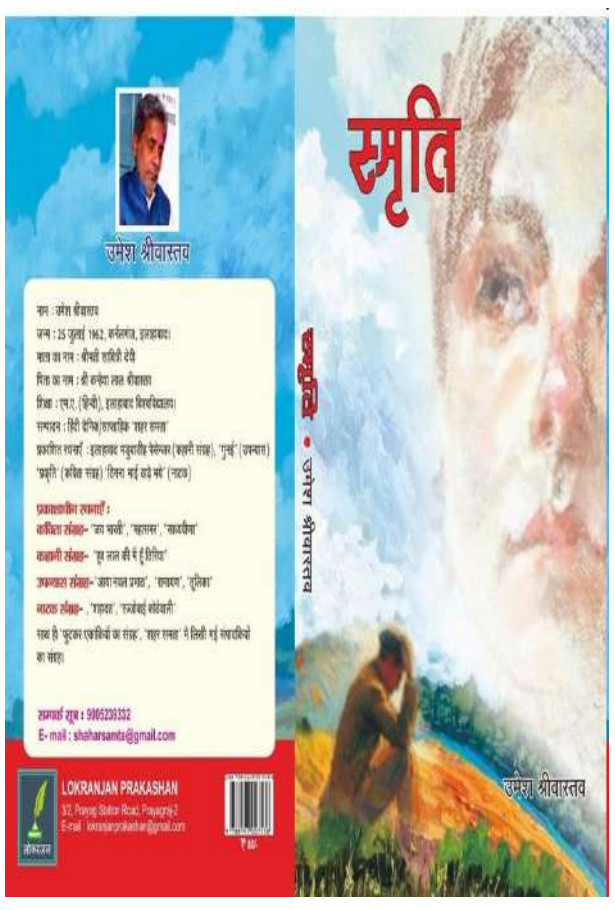


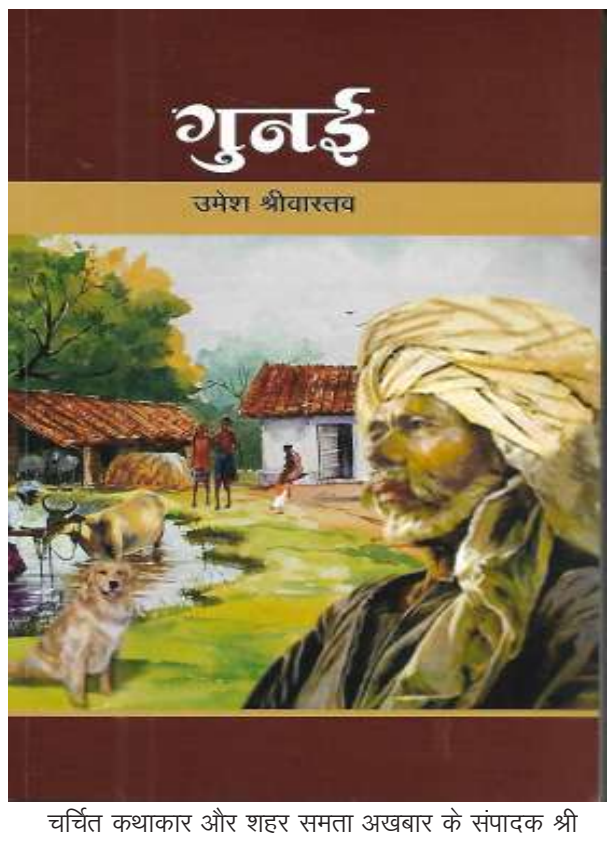


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

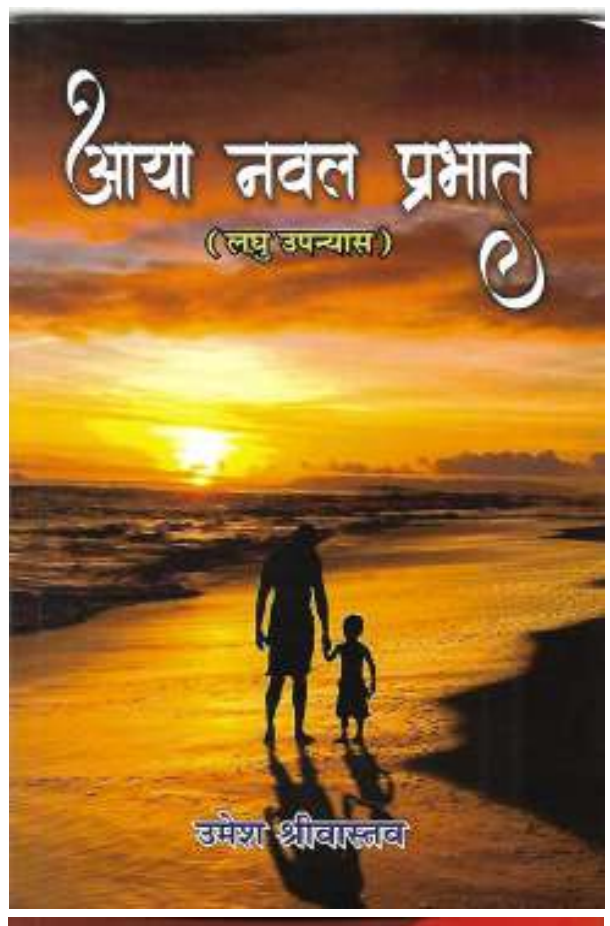


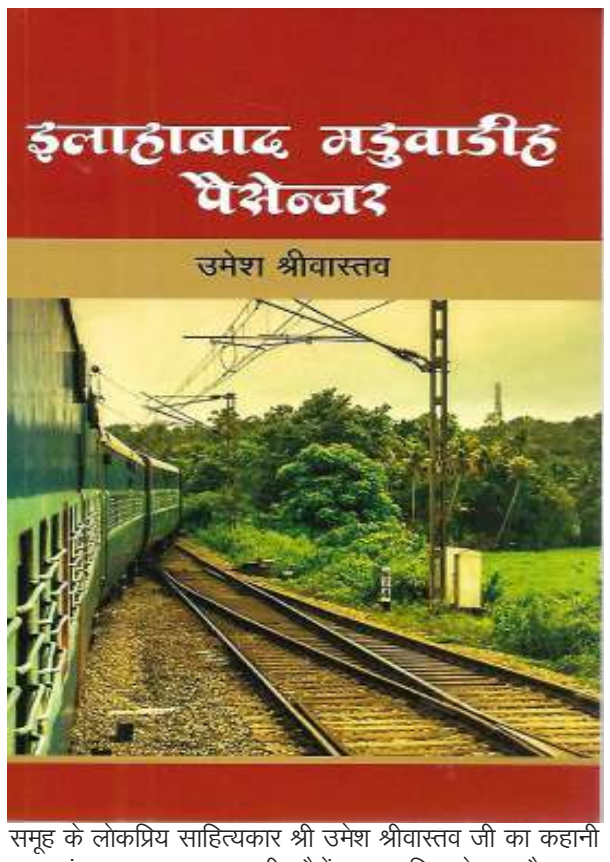


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

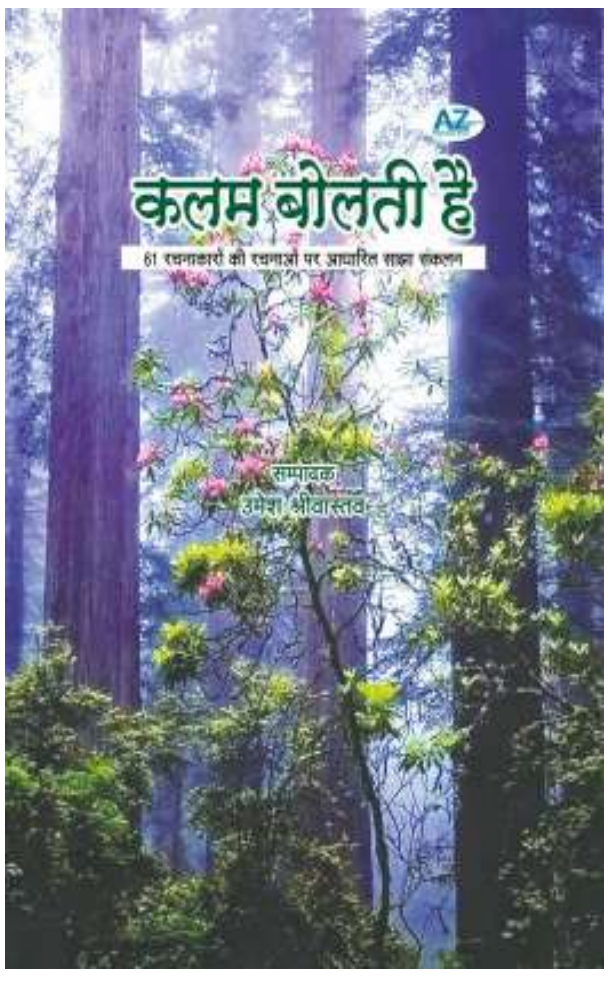


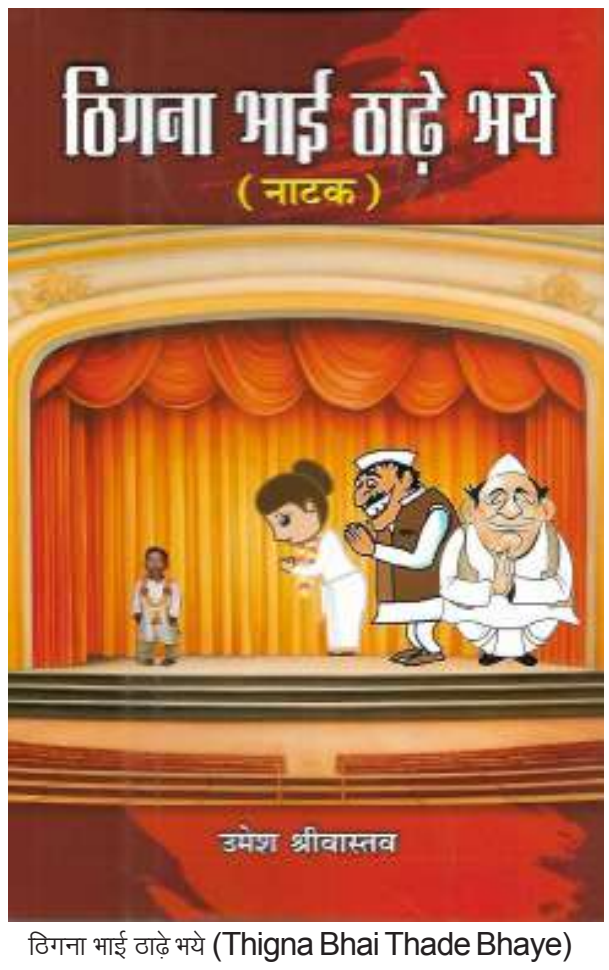


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

# ट्रंप ने पीएम मोदी के बाद नेतन्याहू को दिया धोखा! अमेरिका के डबल गेम से दुनिया के देश अलर्ट

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को वही धोखा दिया है जो उन्होंने कुछ समय पहले पीएम मोदी को दिया था। डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के जरिए अपने कट्टर दुश्मन ईरान के परमाणु ठिकानों को उड़वाया और फिर इजरायल पर ही अपनी नारागजी जाहिर करने लग गए। इजरायल पिछले कई दिनों से अपने दम पर ईरान से लड़ रहा है। इजरायली सेना लड़ाकू विमान लेकर तेहरान तक घुस गई। लेकिन आखिरी के एक दिन में अमेरिका ने अपने कुछ बॉम्बर्स ईरान में भेज दिए और पूरी जंग का क्रेडिट खुद ही लेने लग गए। हैरानी की बात ये है कि अमेरिका के जो बॉम्बर्स ईरान में परमाणु फैसिलिटी को उड़ाकर आए हैं, वो भी इजरायल की मदद से वहां पहुंचे हैं। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने इसे ईरान पर अमेरिका की जीत घोषित कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली सेना और बेंजामिन नेतन्याहू की मेहनत का अपमान करते हुए कहा कि मैं अब इजरायल से खुश नहीं हूं। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इजरायल को धमकी दी है कि अपने पायलट के ईरान से तुरंत वापस बुलाओ। हेग में नाटो शिखर सम्मेलन के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि समझौते पर सहमति जताने के तुरंत बाद इजरायल ने अपना सामान उतार दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान की परमाणु क्षमता खत्म हो गई है। उन्होंने इजरायल से उन बमों को न गिराने का आग्रह किया, चेतावनी दी कि यह एक बड़ा उल्लंघन है। उन्होंने यहूदी राज्य से अपने पायलटों को वापस घर लाने की मांग की। इजरायल इस समय कुछ वैसा ही महसूस कर रहा होगा, जैसा कुछ समय पहले भारत कर रहा था। ट्रंप ने जो पीएम मोदी और भारत के साथ किया था अब ठीक वही नेतन्याहू और इजरायल के साथ कर दिया। ट्रंप ने ऑपरेशन सिंदूर का पूरा क्रेडिट खाया। भारतीय सेना ने अपनी ताकत से पाकिस्तान को धूल चटाई थी और उसे सीजफायर की भीख मांगने पर मजबूर किया था। लेकिन इसकी सारी वाहवाही डोनाल्ड ट्रंप ने लूटनी चाही। पीएम मोदी ने तो डोनाल्ड ट्रंप को आईना दिखा दिया। नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष रोकने में मध्यस्थ की भूमिका निभाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को खारिज करते हुए उनसे कहा कि भारत और पाकिस्तान ने बिना किसी मध्यस्थता के अपनी सेनाओं के बीच सीधी बातचीत के बाद पिछले महीने सैन्य कार्रवाई रोकी थी। पीएम मोदी ने तो ट्रंप को आईना दिखा दिया और अब इजरायल को भी यही करना होगा। लेकिन ट्रंप ने अब भारत की तरह ही इजरायल की पीठ में भी खंजर मारा है।

## संक्षिप्त

### भारत के साथ सार्थक बातचीत के लिए तैयार है पाकिस्तान : प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि उनका देश सभी लंबित मुद्दों के समाधान के लिए भारत के साथ ''सार्थक वार्ता'' के लिए तैयार है। शरीफ ने यह विचार मंगलवार को सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान व्यक्त किये। यह बातचीत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के

बाद भारत–पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के करीब दो महीने बाद हुई है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। 'रेडियो पाकिस्तान' के अनुसार, प्रधानमंत्री शरीफ ने बातचीत के दौरान कहा कि ''पाकिस्तान जम्मू–कश्मीर, जल, व्यापार और आतंकवाद सहित सभी लंबित मुद्दों पर भारत के साथ सार्थक बातचीत करने के लिए तैयार है।'' इस बीच, शरीफ और सऊदी नेता ने पश्चिम एशिया के मौजूदा घटनाक्रम पर भी विचारों का आदान–प्रदान किया। पहलगाम आतंकी हमले के तुरंत बाद भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया और पाकिस्तान के साथ सभी व्यापारिक गतिविधियां रोकने जैसे कदम उठाए। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' भी शुरू किया था, जिसमें पाकिस्तानी इलाकों में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया था। इस हमले के बाद चार दिनों तक संघर्ष जारी रहा, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के बाद थम गया।

### अरबों डॉलर की अनुदान कटौती के ट्रंप प्रशासन के फैसले के खिलाफ मुकदमा

अमेरिका में 20 से अधिक राज्यों और वाशिंगटन डीसी के अटॉर्नी जनरलों ने ट्रंप प्रशासन की ओर से अनुदान में अरबों डॉलर की कटौती को चुनौती देते हुए मंगलवार को संघीय अदालत में एक वाद दायर किया। बोस्टन में दायर मुकदमे में न्यायाधीश से ट्रंप प्रशासन को अनुदान में कटौती करने से रोकने का अनुरोध किया गया है। मुकदमे में कहा गया है कि प्रशासन नेजनवरी से संघीय नियमन की एक अस्पष्ट धारा का उपयोग करके विभिन्न कार्यक्रमों और हजारों अनुदानों को रद्द किया है, जो पहले राज्यों व अनुदान प्राप्तकर्ताओं को प्रदान किए गए थे। वादियों ने तर्क दिया कि, बदली प्राथमिकताओं को आधार बनाकर अनुदान समाप्त करने के लिए धारा का इस्तेमाल करने का निर्णय गैरकानूनी है।

### ट्रंप ने नेतन्याहू से कहा कि आगे अमेरिका की आक्रामक कार्रवाई की उम्मीद नहीं करें : अधिकारी

अमेरिका द्वारा ईरान पर हमले किए जाने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से कहा कि वह आगे अमेरिका से आक्रामक सैन्य कार्रवाई की उम्मीद नहीं करें। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। रविवार को ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर अमेरिका की बमबारी के बाद ट्रंप ने नेतन्याहू से कहा कि अब युद्ध रोकने और कूटनीतिक वार्ता की ओर लौटने का समय आ गया है। अधिकारी के अनुसार ट्रंप का रुख यह था कि अमेरिका ने ईरान द्वारा उत्पन्न किसी भी आसन्न खतरे को दूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति के इस रुख को समझते हैं कि अमेरिका की इस स्थिति में सैन्य रूप से और अधिक शामिल होने की इच्छा नहीं है।

### विंग कमांडर अभिनंदन को जिसने पकड़ा था, मुनीर का वो जवान अब खुद हुआ ढेर, टीटीपी ने बनाया शिकार

पाकिस्तानी सेना के 37 वर्षीय अधिकारी मेजर मोइज़ अब्बास शाह, जिन्होंने 2019 के बालाकोट हवाई हमलों के बाद भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्थमान को पकड़ने का दावा किया था, दक्षिण वज़ीरिस्तान क्षेत्र में तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के साथ मुठभेड़ में मारे गए। चकवाल के मूल निवासी और सेना के विशिष्ट विशेष सेवा समूह (एसएसजी) के सदस्य शाह, आतंकवाद विरोधी अभियान का नेतृत्व करते हुए मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने पुष्टि की कि गोलीबारी में एक अन्य सैनिक लांस नायक जिब्रानउल्लाह भी मारा गया। सूत्रों के अनुसार, टीटीपी के हमलों में मेजर शाह समेत 14 पाकिस्तानी कर्मियों की मौत हो गई। इस बीच, पाकिस्तान समर्थक कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स ने दावा किया है कि सरगोधा झड़प में शाह समेत छह कर्मी मारे गए। डॉन की एक रिपोर्ट के अनुसार, इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की मौजूदगी की रिपोर्ट के बाद 24 जून, 2025 को सरोगा में एक खुफिया–आधारित ऑपरेशन (आईबीओ) चलाया। बयान में दावा किया गया कि ऑपरेशन के दौरान, सैनिकों ने आतंकवादी ठिकाने को निशाना बनाया, जिसमें 11 लोग मारे गए और सात अन्य घायल हो गए। आईएसपीआर ने पुष्टि की कि चकवाल के 37 वर्षीय मेजर सैयद मोइज़ अब्बास शाह और बन्नू के 27 वर्षीय लांस नायक जिब्रान उल्लाह गोलीबारी में मारे गए। मिशन का नेतृत्व कर रहे मेजर मोइज़ की बहादुरी और समूह के खिलाफ कई अभियानों में उनकी भूमिका के लिए प्रशंसा की गई। बयान में कहा गया कि क्षेत्र में बचे हुए आतंकवादियों को खत्म करने के लिए निकासी अभियान जारी है। डॉन ने बताया कि जुलाई 2024 में, पाकिस्तानी सरकार ने आधिकारिक तौर पर प्रतिबंधित तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को फ़ितना–अल–ख़वारिज के रूप में लेबल किया।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227


# यूएस अटैक में नष्ट नहीं हुए थे ईरान के परमाणु स्थल, पेंटागन की लीक हुई रिपोर्ट का दावा, ट्रंप ने बताया- फेक न्यूज

इजरायल द्वारा ईरान के परमाणु फैसिलिटी पर अटैक के बावजूद इसके नुकसान नहीं पहुंचने के बाद अमेरिका ने अपने बी2 बॉम्बर्स के जरिए अटैक कर इस जंग में सीधी एंट्री ले ली। अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु स्थलों नतांज, फोर्डो और इस्फहान को टारगेट किया। जिसके बाद ट्रंप ने कहा हमने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को तबाह कर दिया। लेकिन अब पेंटागन की लीक हुई रिपोर्ट में बड़ा दावा किया गया है। पेंटागन द्वारा तैयार की गई अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, 20 जून को ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हमले से तेहरान के परमाणु कार्यक्रम के मुख्य घटकोंको नुकसान नहीं पहुंचा है, बल्कि इससे उसके कार्यक्रम में महीनों की देरी हुई है। रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) द्वारा तैयार की गई यह रिपोर्ट, ईरान की तीन प्रमुख परमाणु सुविधाओं पर अमेरिकी हमलों के बाद युद्ध में हुए नुकसान पर अमेरिकी सेंट्रल कमांड द्वारा किए गए आकलन पर आधारित थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी हमलों के बाद साइटों पर हुए नुकसान और प्रभाव का विश्लेषण अभी भी जारी है, और अधिक खुफिया जानकारी उपलब्ध होने पर इसमें बदलाव हो सकता है। पेंटागन की खुफिया शाखा की प्राइमरी रिपोर्ट राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों का खंडन करती है कि बी–2 स्टील्थ बॉम्बर्स द्वारा किए गए अमेरिकी हमलों में ईरान की परमाणु सुविधाएं पूरी तरह से नष्ट हो गई। पेंटागन के प्रमुख और रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने भी रविवार को राष्ट्रपति ट्रंप के दावों को दोहराया कि ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाएं नष्ट हो गई हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मीडिया रिपोर्टों को खारिज कर दिया है। कवरेज को फेक न्यूज करार देते हुए ट्रम्प ने जोर देकर कहा कि टारगेटेड स्पॉट पूरी तरह से नष्ट हो गए, जो सीधे तौर पर उन शुरुआती खुफिया आकलनों का खंडन करता है, जिसमें कहा गया था कि हमलों से तेहरान के परमाणु कार्यक्रम में केवल कुछ महीनों की देरी हो सकती है। ट्रंप ने एक सोशल पोस्ट में कहा कि फर्जी खबरें फैलाने वाले सीएनएन ने असफल हो रहे न्यूयॉर्क टाइम्स के साथ मिलकर इतिहास के सबसे सफल सैन्य हमलों में से एक को बदनाम करने की कोशिश की है। ईरान में परमाणु स्थल पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं! टाइम्स और सीएनएन दोनों को जनता की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। व्हाइट हाउस का कहना है कि यह आकलन श्पूरी तरह से ग़लतश है और यह राष्ट्रपति ट्रंप को श्नीचा दिखाने का एक प्रयासश है।

# दुनिया के सबसे अमीर शहर का मेयर बनेगा ये भारतीय! मशहूर फिल्म निर्देशक के हैं बेटे

33 वर्षीय डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट सांसद ज़ोहरान ममदानी न्यूयॉर्क शहर के मेयर के लिए डेमोक्रेटिक प्राइमरी में जीत हासिल कर ली है। उनके प्रतिद्वंद्वी एवं एंड्रयू क्युमो ने मंगलवार देर रात हार स्वीकार की और कहा कि उन्होंने ममदानी को बधाई देने के लिए फोन किया। कुओमो ने न्यूयॉर्क सिटी बढ़ई संघ के मुख्यालय में कहा कि आज की रात हमारी रात नहीं थी और मुझे हमारे द्वारा चलाए गए अभियान पर बहुत गर्व है। न्यूयॉर्क सिटी बोर्ड ऑफ इलेक्शन के अनुसार, ममदानी ने प्रथम स्थान के लिए 43.5 प्रतिशत वोट जीते, जबकि कुओमो को 36.3 प्रतिशत वोट मिले। बोर्ड द्वारा 1 जुलाई को चुनाव के पूर्ण परिणामों की घोषणा करने की उम्मीद है, जिसमें रैंक्ड चॉइस वोटिंग का उपयोग किया गया है, जो न्यूयॉर्क के लोगों को वरीयता के क्रम में पाँच उम्मीदवारों को चुनने की अनुमति देता है।

जीत के बाद क्या बोले ममदानी?

ममदानी ने समर्थकों को दिए भाषण में कहा आज की रात, हमने इतिहास रच दिया। मैं न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए आपका डेमोक्रेटिक पार्टी का प्रत्याशी होऊंगा। अगर ममदानी यह चुनाव जीतते हैं, तो वह न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम और भारतीय–अमेरिकी मेयर बनेंगे। प्राइमरी चुनाव के विजेता का सामना मौजूदा मेयर एरिक एडम्स से होगा, जो मूल रूप से डेमोक्रेट हैं लेकिन अब स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। एडम्स ने भ्रष्टाचार के आरोपों में उनके खिलाफ मामला दर्ज होने पर जनता की भारी नाराजगी के बीच निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ने का फैसला लिया है।

कौन हैं जोहरान ममदानी

आपको बता दें कि ममदानी भारतीय फिल्म निर्माता मीरा नायर और भारतीय मूल के युगांडा के शिक्षाविद महमूद ममदानी के बेटे हैं। ममदानी का जन्म और पालन–पोषण युगांडा के कंपाला में हुआ और सात वर्ष की आयु में वे अपने परिवार के साथ वी न्यूयॉर्क शहर चले गए। उन्होंने एनवाईसी पब्लिक स्कूल से ग्रेजुएशन

किया है और ब्रॉक्स हाई स्कूल ऑफ़ साइंस में पढ़ाई की है। ममदानी बोडोइन कॉलेज से अफ्रीकन स्टडीज में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है।

जोहरान ममदानी के चुनावी वादे
घरों का किराया नहीं बढ़ाया जाएगा
सरकारी बसें मुफ्त उपलब्ध होंगी
5 साल तक के बच्चों को फ्री डे केयर
गरीबों को सस्ता राशन मुहैया कराएंगे
अमीरों और कंपनियों टैक्स लगाएंगे

# कश्मीर पर कुछ मत बोलना...57 देशों के सामने दहाड़ा भारत

जम्मू कश्मीर को लेकर झूठ फैलाना और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ गलत नैरेटिव प्रस्तुत करना पाकिस्तान की पुरानी आदत बन चुकी है। वो लगातार ऐसे प्रयास करता रहा है, जिनका उद्देश्य वैश्विक समुदाय को गुमराह करना और भारत की छवि को नुकसान पहुंचाना होता है। तुर्की में हाल ही में इस्लामिक सहयोग संगठन ओआईसी के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पाकिस्तान ने ओआईसी का उपयोग करके कश्मीर मुद्दे को लेकर भारत के आतंरिक मामलों में हस्तक्षेप करवाने की कोशिश की। ओआईसी देशों ने भी कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान के पक्ष को दोहराते हुए कहा था कि हम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों के इच्छाओं के अनुरूप कश्मीर के लोगों के लोगों के लिए आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करते हैं। हालांकि भारत ने पाकिस्तान के साथ साथ ओआईसी को भी जमकर फटकार लगाई। भारत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि ओआईसी के पास इस मामले में टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। ओआईसी पाकिस्तान के प्रभाव में आकर कश्मीर को लेकर उसके बारे में अनुचित और तथ्यात्मक रूप से गलत बयान दे रहा है। विदेश मंत्रालय ने एक विस्तृत बयान में कहा कि आतंकवाद को राजकाज में बदल देने वाले पाकिस्तान द्वारा दिए गए ये बयान संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्यों के लिए ओआईसी मंच के निरंतर दुरुपयोग को दर्शाते हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के वास्तविक खतरे को स्वीकार करने में ओआईसी बार–बार विफल रहा है जिसका सबसे हालिया सबूत पहलगाम हमले में देखने को मिला, यह तथ्यों के प्रति जानबूझकर की गई उपेक्षा को दर्शाता है। विदेश मंत्रालय ने कहाआतंकवाद को राजकीय कौशल में तब्दील करने वाले पाकिस्तान के इशारे पर ये बयान संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्यों के लिए ओआईसी मंच के निरंतर दुरुपयोग को दर्शाते हैं। ओआईसी के पास भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है जिसमें जम्मू और कश्मीर भी शामिल है, जो भारत का अभिन्न और संप्रभु हिस्सा है– एक ऐसा तथ्य जो भारतीय संविधान में निहित है और यह अपरिवर्तनीय है। भारत की यह कड़ी प्रतिक्रिया तुर्किये में ओआईसी के विदेश मंत्री स्तरीय सम्मेलन के बाद आई है, जिसमें भारतीय मुसलमानों को 'सामाजिक रूप से हाशिए' पर धकेलने सहित कई मुद्दों पर नयी दिल्ली की आलोचना की गई।

# एक्सिओम–4 मिशन के लिए मौसम 90 प्रतिशत अनुकूल : स्पेसएक्स

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा के लिए एक्सिओम–4 मिशन का प्रक्षेपण कई बार टलने के बाद भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य यात्री बुधवार को प्रक्षेपण के लिए तैयार हैं। स्पेसएक्स ने घोषणा की है कि उड़ान के लिए मौसम 90 प्रतिशत अनुकूल है। अमेरिका की निजी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स इस अंतरिक्ष मिशन के लिए परिवहन सेवा प्रदान कर रही है। स्पेसएक्स ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बुधवार को अंतरिक्ष स्टेशन जाने के लिए एक्सिओम स्पेस के एएक्स–4 मिशन के प्रक्षेपण के लिहाज से सभी प्रणालियां दुरुस्त दिख रही हैं और उड़ान के लिए मौसम

90 प्रतिशत अनुकूल है।'' अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) ने कहा कि नासा, एक्सिओम स्पेस और स्पेसएक्स ने अब अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के चौथे निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन 'एक्सिओम मिशन 4' के प्रक्षेपण के लिए बुधवार, 25 जून को दोपहर 12 बजकर एक मिनट (भारतीय समयानुसार) का लक्ष्य रखा है। एक्सिऑम–4 वाणिज्यिक मिशन का नेतृत्व कमांडर पैगी व्हिटसन कर रही हैं, जिसमें शुक्ला मिशन पायलट हैं और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री टिबोर कपू व पोलैंड के स्लावोज उज्नान्स्की–विस्नीव्स्की मिशन विशेषज्ञ हैं। इस मिशन के तहत प्रक्षेपण मूलतः 29 मई को होना था लेकिन फाल्कन–9 रॉकेट के बूस्टर में तरल ऑक्सीजन के रिसाव और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के पुराने रूसी मॉड्यूल में भी रिसाव होने का पता चलने के बाद पहले इसे आठ जून, फिर 10 जून और फिर 11 जून के लिए टाल दिया गया। इसके बाद प्रक्षेपण की योजना फिर 19 जून के लिए टाल दी गई और फिर नासा द्वारा रूसी मॉड्यूल में मरम्मत कार्यों के बाद कक्षीय प्रयोगशाला के संचालन का आकलन करने के लिए प्रक्षेपण की तिथि 22 जून तय की गई। यह मिशन फ्लोरिडा स्थित नासा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र के 'लॉन्च कॉम्प्लेक्स 39ए' से प्रक्षेपित किया जाएगा।

### क्यों डिफेंस बजट बढ़ाने पर राजी दिख रहे नाटो के सदस्य, ट्रंप की धमकी का असर?

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प बुधवार को नाटो गठबंधन के सदस्यों से मुलाकात की है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने नाटो महासचिव के साथ आधिकारिक अभिवादन और बैठक में भाग लिया। ट्रम्प ने मांग की है कि हेग में बैठक कर रहे नाटो सदस्य अपने आर्थिक उत्पादन का हिस्सा सैन्य खर्च में 2 प्रतिशत से बढ़ाकर 5 प्रतिशत करें। ट्रंप ने सालों से नाटो को अपनी इच्छा के अनुसार चलाने का प्रयास किया है। ट्रम्प ने इस बात पर अनिश्चितता पैदा कर दी कि क्या अमेरिका नाटो संधि के अनुच्छेद 5 का पालन करेगा, जिसमें सभी सदस्यों से हमले की स्थिति में एक–दूसरे की रक्षा करने का आह्वान किया गया है।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़



संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।